मई 2025

₹ 20

R.N.I. No. 68832/97

देश की एकता के लिए जरूरी है कि सभी नागरिक आपसी भाईचारा पर विशेष ध्यान दें। नफरत के भाव को दिल-दिमाग से निकाल दें। नौजवानों को पढ़ाई पर केंद्रित होते हुए सामाजिक सरोकारों के प्रति भी सचेत रहना होगा। शिक्षा इसलिए भी जरूरी है क्योंकि तब नौजवानों को और बेहतर ढंग से समझ में आएगा कि गरीबों-मजलूमों को उनका हक-सम्मान दिलाने के लिए सामाजिक न्याय क्यों जरूरी है।

मुलायम सिंह यादव
संस्थापक, समाजवादी पार्टी

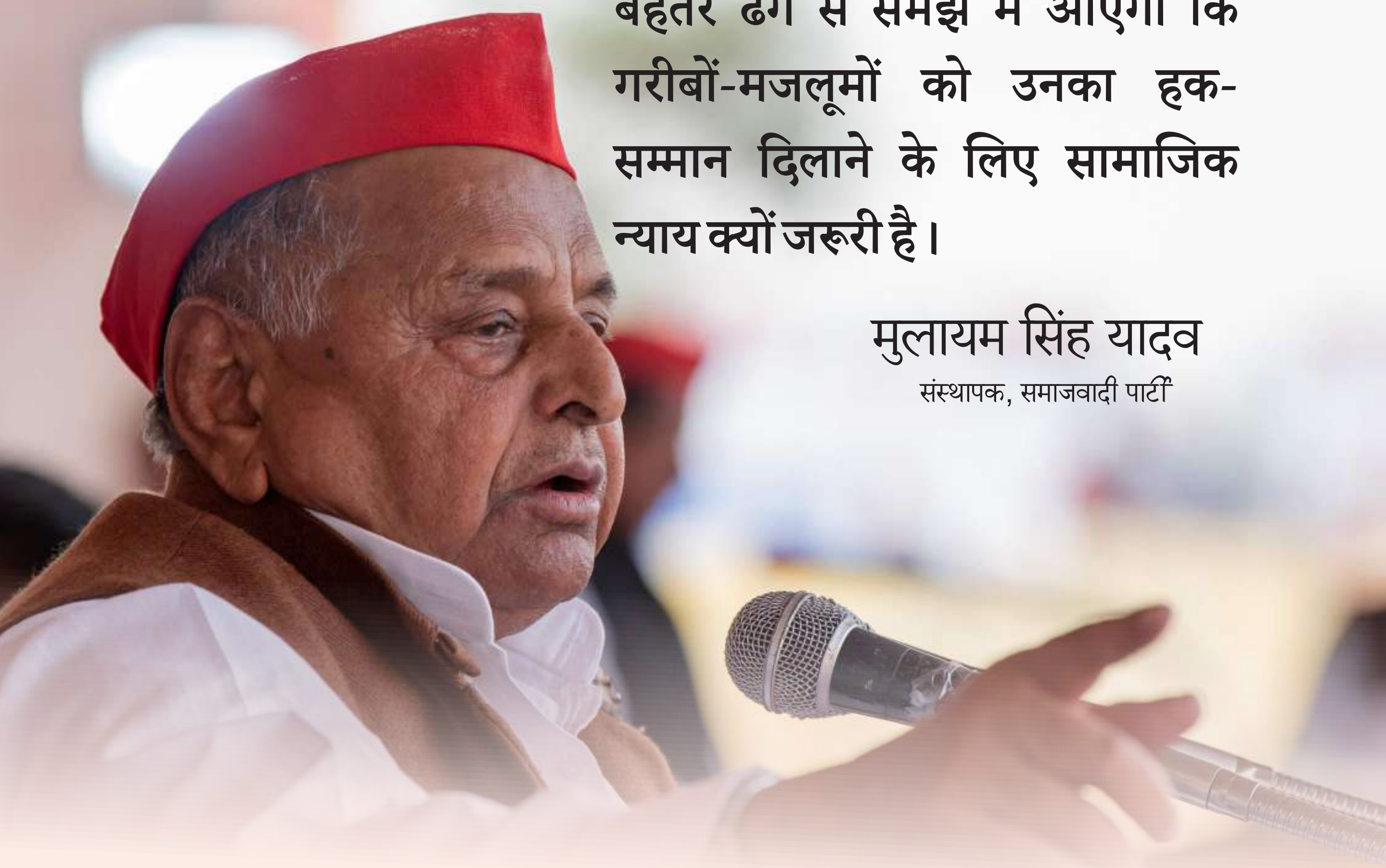

समाजवादी बुलेटिन

मई 2025

वर्ष 26 | संख्या 07

PDA काव्य विचार

प्रज्वलित हो उठी PDA की ज्योति
अब नहीं होगी कोई दमन की रात,
न्याय की ध्वनि, समानता की बात।
जगा है विश्वास, बढ़ीं हैं उम्मीदें
सामाजिक न्याय लाएंगे,
अखिलेश ही सरकार बनाएंगे॥

प्रिय पाठकों,

PDA काव्य विचार के लिए आपकी स्वरचित लघु कविता का स्वागत है। केवल उन्हीं लघु कविताओं पर विचार किया जाएगा जो PDA केन्द्रित, सुस्पष्ट, मौलिक, न्यूनतम 5 से 6 लाइनों में टाइपशुदा होंगी। अपनी लघु कविता ईमेल teamsbeditorial@gmail.com पर अपने नाम और पते के साथ भेजें।

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक

प्रोफेसर रामगोपाल यादव

☎ 0522 - 2235454

samajwadibulletin19@gmail.com

bulletinsamajwadi@gmail.com

Mob:- 9598909095

/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए

19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित

अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंदर

बोले हर समाजवादी, बचने न पाएं आतंकवादी — OPERATION SINDOOR — 04

08 कवर स्टोरी

अखिलेश ने दी आवाज सामाजिक न्याय का होगा राज

अखिलेश के दौरों में 2027 का अग्रिम ऐलान — 16

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के हालिया यूपी के जिलों के दौरों ने फिर स्पष्ट संकेत दे दिए हैं कि 2027 में समाजवादी सरकार बनने जा रही है। जिस तरह श्री अखिलेश यादव के स्वागत-अभिनंदन के लिए लोग उमड़ पड़े, वह बताता है कि भाजपा सरकार से लोग त्रस्त हैं और श्री अखिलेश यादव से उनकी उम्मीदें जुड़ी हुई हैं।

अखिलेश को सत्ता में लाएगा युवा जोश — 26

ओडिशा की सियासत में अखिलेश की एंट्री — 42

एकता

बोले हर समाजवादी बचने न पाएं आतंकवादी

बुलेटिन ब्यूरो

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान पोषित आतंकियों द्वारा निर्दोष एवं निहत्थे भारतीय पर्यटकों की हत्या का बदला लेने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ शुरू किए भारतीय सेना के आपरेशन सिंदूर का समाजवादी पार्टी ने पूर्ण समर्थन करते हुए आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए ऐसे ही ठोस कदम उठाने की जरूरत पर जोर दिया है।

उन्होंने ऑपरेशन सिंदुर के समर्थन में सोशल मीडिया पर लिखा, ***पराक्रमे विजयते***। जब भारत औरपाकिस्तान सीज फायर पर सहमत हुए तो सपा मुखिया ने लिखा, ***शांति सर्वोपरि है और संप्रभुता भी***।

ऑपरेशन सिंदूर का समर्थन करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा, *"हमें अपने देश की बहादुर सेना पर गर्व है। हम सब देश के साथ हैं! सकंट का समय समझदारी की और भी अधिक मांग करता है। सभी देशवासियों से अपील है कि किसी भी अपुष्ट समाचार और सूचना पर न तो विश्वास करें, न ही आगे प्रचारित और प्रसारित करें। ऐसे समाचार देश के दुश्मनों के द्वारा फैलाये गये झूठ भी हो सकते हैं मतलब ये दुश्मन की चाल या साज़िश भी हो सकती है, इसीलिए किसी भी बहकावे या भड़कावे में न आएं। अपने-अपने स्तर पर ज़िम्मेदाराना व्यवहार करें। स्वयं शांत रहें और दूसरों को भी शांति से रहने के लिए प्रेरित करें। आपदा के इस समय में एकजुटता दिखाएं।"*

जय हिंद !

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भारतीय फौज किसी भी नापाक मंसूबों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूरी तरह सक्षम है। उन्होंने भारतीय सेना के शौर्य, रणनीति की सराहना की है और आतंकवाद के खात्मे के लिए भारत सरकार के हर फैसले पर समाजवादी पार्टी उसके साथ है। किसी भी सूरत में

पहलगाम के शहीदों को श्रद्धांजलि

पहलगाम में आतंकी हमले में शहीद हुए पर्यटकों को श्रद्धांजलि देने के लिए 23 अप्रैल को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की अध्यक्षता में शोकसभा हुई। शोक सभा में आतंकी घटना की निंदा करते हुए मृतकों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की गई।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले की भयावह तस्वीरें दिल दहला देने वाली हैं। ये हमला हर दृष्टिकोण से निंदनीय है। उन्होंने घायलों के शीघ्रातिशीघ्र उपचार के लिए देश की सबसे अच्छी चिकित्सा सेवाएं और सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग करते हुए सबके स्वास्थ्य लाभ और जीवन के लिए हृदय से कामना की।

श्री यादव ने कहा कि केंद्र सरकार को सबसे पहले सुरक्षा के वातावरण को सुनिश्चित करने की ज़रूरत है तभी स्थानीय निवासियों और पर्यटकों का जीवन सुरक्षित रह सकता है।

शोकसभा में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरणमय नंदा, सांसद राजीव राय, श्री नीरज मौर्या, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधान परिषद सदस्य राजेन्द्र चौधरी, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक इकबाल महबूब, महबूब अली, पूर्व मंत्री पवन पाण्डेय, पूर्व नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद संजय लाठर समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

आतंकवादी नहीं बचने चाहिए।

6/7 मई की रात पाकिस्तान में स्थित आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना की सफल एयर स्ट्राइक के बाद 7 मई को पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पाकिस्तान की नापाक हरकतों एवं पाकिस्तान पोषित आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए भारत सरकार जो फैसले लेगी समाजवादी पार्टी उसके साथ है। समाजवादी पार्टी का कहना है कि जड़ पर वार कीजिए और आतंकवाद को खत्म कीजिए। जब जड़ पर हमला होगा तो टहनियां अपने आप समाप्त हो जाएंगी।

उन्होंने कहा कि दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए हमारी फौज पूरी तरह सक्षम है। श्री यादव ने कहा कि सजग रहने से ही सीमा की सुरक्षा हो सकती है। इसमें कोई चूक स्वीकार्य नहीं होगी। हमें अपनी सेना पर पूरा भरोसा है। उसकी वजह से हम सुरक्षित हैं।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले की घटना वाले दिन ही श्री अखिलेश यादव ने इसे बेहद दुःखद बताते हुए निंदा की थी और मांग की थी कि सरकार आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे। जब भारत सरकार ने सिंधु नदी का जल रोकने समेत पाकिस्तान के खिलाफ कई एक्शन लिए थे तो श्री अखिलेश यादव ने उसका भरपूर समर्थन किया था।

पहलगाम के आतंकी हमले के बाद हुई सर्वदलीय बैठक में समाजवादी पार्टी की ओर से पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रो रामगोपाल यादव मौजूद रहे और उन्होंने पार्टी की ओर से सुझाव दिए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए चाहे जितना बजट खर्च हो, सरकार को खर्च करना चाहिए। हम लोग चाहते हैं कि आतंकवाद पूरी तरह से खत्म हो जाए। आतंकवाद के खात्मे के लिए समाजवादी पार्टी दृढ़ संकल्पित है ताकि पहलगाम जैसी घटनाएं न हों।

देश हित को चुनौती

उदय प्रताप सिंह

भाजपा की हिंदू राष्ट्रवाद की अस्वीकृत विचारधारा और कार्यशैली देश के हित में नहीं है। सरकार न केवल समाजवाद और सेकुलरिज्म और संविधान की हमेशा अवहेलना करती है बल्कि अब तो यह भी स्पष्ट हो गया है कि यह गणतंत्र (फेडरेलिज्म) के लिए भी बहुत बड़ी चुनौती पैदा कर रही है।

भाजपा सरकार बहुत अच्छी तरह जानती थी कि मुस्लिम वक्फ कानून कई राज्य स्वीकार नहीं करेंगे, यह बात संसद में इस कानून पर बहस के समय स्पष्ट हो गई थी और अल्पसंख्यक तो बिल्कुल स्वीकार नहीं करेंगे फिर भी सरकार ने यह कानून बनाया और उसके परिणाम देखने को मिल रहे हैं। बंगाल और दक्षिण के कई कई राज्यों ने अपने यहां लागू करने से इनकार कर दिया है।

बंगाल में इस कानून के बाद जो हिंसा हुई है उसके लिए सरकार भी आंशिक रूप से जिम्मेदार है। यह हमारे गणतंत्र के स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है और अल्पसंख्यकों को यह कानून बिल्कुल पसंद नहीं है, इसको वह अपने धार्मिक मामले में हस्तक्षेप मानते हैं जिसकी अनुमति संविधान नहीं देता और इसीलिए उन्होंने न्यायालय की शरण ली है, अभी इस पर न्यायालय का फैसला आना बाकी है लेकिन इससे पहले सर्वोच्च न्यायालय ने जिस प्रकार राज्यपालों और राष्ट्रपति को मशविरा दिया है, वह गणतंत्र को स्वस्थ रखने का इशारा ही है।

भाजपा सरकार के जितने भी राज्यपाल हैं वह सब के सब पद की मर्यादा भूलकर भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में कार्य करते हैं। ऐसा नहीं है कि पहले कभी राज्यपालों की कार्यशैली पर उंगली नहीं उठी, पहले भी मर्यादा के पर्दे के अंदर थोड़ा बहुत पक्षपात होता रहा था। पर अब तो ऐसा लगता है कि महामहिम राष्ट्रपति को भी सर्वोच्च न्यायालय सही ढंग से कार्य करने की सलाह दे रहा है। सही बात तो यह है की राज्यपाल और राष्ट्रपति की गरिमा को गिराने में भाजपा सरकार की संकीर्णता बहुत हद तक जिम्मेदार है।

प्रश्न यह है कि भाजपा की सरकार क्योंकर लोकतंत्र की सारी परंपराओं को बलाए ताक रख के काम कर रही है? समाजवाद और सेकुलरिज्म के विरुद्ध तो वह अपने बयान भी देती रही है, उन्हें मानती है न उन्हें संविधान का अंग समझती है।

जब से भाजपा की केंद्र में सरकार आई है उसने केवल अल्पसंख्यक खासतौर पर मुसलमानों के धर्म और समाज की बुराइयों को बिना उनकी मर्जी मंजूरी और सहयोग के दूर करने का ठेका सा ले रखा है। अल्पसंख्यक नहीं चाहते कि सुधार किया जाए लेकिन सरकार सुधार कर रही है। ऐसे ऐसे बिल लाए गए हैं, ऐसे ऐसे कानून बनाए गए हैं जिनकी न कोई जरूरत है और ना उनसे कोई फायदा है।

नागरिकता कानून, लव जिहाद, तीन तलाक, 370 और वक्फ बोर्ड जैसे मुद्दों पर इतनी माथापच्ची करवाई गई है कि जनहितकारी सरकार की छवि धूमिल हो रही है। जहां तक लोकतंत्र का सवाल है, लोकतंत्र की बुनियाद जवाबदेही या उत्तरदायित्व पर है। जवाबदेही लोकतंत्र की बुनियाद है पर इस सरकार ने जवाबदेही को पूर्णतया समाप्त कर दिया है।

सवाल करना सरकार की नीतियों पर प्रश्न उठाना उनके विरुद्ध प्रदर्शन करना यह सब नागरिकों के मूल अधिकार हैं, सरकार ऐसा करने वालों को देशद्रोही घोषित कर उन्हें जेल में डालने का काम

करती आई है। इस पर भी समय-समय पर उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय में सरकार के विरुद्ध टिप्पणी की गई है और उसे चेतावनी दी गई है ।

सबसे बड़ा उत्तरदायित्व प्रतिपक्ष का होता है कि वह सरकार से सवाल करें लेकिन इस सरकार ने लोकतंत्र की मर्यादा समाप्त करके, प्रतिपक्ष को अपना शत्रु मानने का काम किया है। सवाल उठाने का काम लोकतंत्र में मीडिया का भी हुआ करता था।

इस सरकार में मीडिया को पालतू और फालतू मीडिया बना दिया है। उनके दो ही काम रह गए हैं, पहला दिनभर असली मुद्दों को जनता की तकलीफों को छुपाने के लिए उन पर पर्दा डालने के लिए सरकार के इशारे पर हिंदू मुसलमान पर चर्चा करवाई जाती है और दूसरा विपक्ष के नेताओं पर बिना बात के मनगढ़ंत आरोप लगाकर उनका बदनाम किया जाता है जिससे वह देश के असली मुद्दे गरीबी महंगाई, बेकारी, भ्रष्टाचार पर सवाल न कर सकें।

इससे एक तो धार्मिक ध्रुवीकरण करने में भाजपा को मदद मिलती है और चुनाव में फायदा होता है और दूसरे सरकार को अपनी नाकामयाबी पर पर्दा डालने का मौका मिल जाता है लेकिन जनता की नजर में वह अपनी जिम्मेदारी से बचकर नहीं निकल सकती।

भाजपा सरकार ने गड़े मुर्दे उखाड़ते हुए ऐतिहासिक घटनाओं और औरंगजेब और राणा सांगा के मुद्दे पर निरर्थक बहस की और करवाई, बाद में सरकार के इशारे पर करणी सेना जैसे अपने अनुसांगिक संगठनों से खुलेआम उपद्रव करवाया गया। विपक्ष के लोगों को गालियां और धमकियां दी गई और सरकार ने उन के खिलाफ कोई प्राथमिक रिपोर्ट तक नहीं लिखाई। इसका साफ अर्थ है की यह सब कुछ सरकार के इशारे पर किया गया। आगरा में समाजवादी सांसद श्री राम जी लाल सुमन जो पहले सरकारों में केंद्र में मंत्री रहे, उनके के घर पर तोड़फोड़ की गई उन्हें मारने की धमकी मिली।

ऐसा ही षड्यंत्र विधायक अबू आसिम आजमी के साथ भी हुआ। यही नहीं समाजवादी पार्टी के दूसरे बड़े नेताओं को भी गालियां और धमकियां दी गई और कानून व्यवस्था के बड़े-बड़े दावे करने वाली सरकार तमाशा देखती रही। कार्यवाही नहीं की। इस तरह लोकतंत्र कैसे चलेगा, यह सवाल उठता है।

सबसे बड़ा उत्तरदायित्व प्रतिपक्ष का होता है कि वह सरकार से सवाल करे लेकिन इस सरकार ने लोकतंत्र की मर्यादा समाप्त करके, प्रतिपक्ष को अपना शत्रु मानने का काम किया है

2024 के लोकसभा के चुनाव से पहले संविधान बदलने के बड़े-बड़े दावे किए गए थे और कहा गया था कि अगर भाजपा को पूर्ण मत मिल गया तो संविधान बदल दिया जाएगा। यह जिम्मेदार लोगों के बयानों ने स्पष्ट किया था। जब 2024 में पूर्ण बहुमत नहीं आया और उन्हें दूसरे दलों का सहारा लेकर सरकार बनानी पड़ी उनमें से कुछ संविधान बदलने के पक्ष में नहीं थे इसलिए वह कार्य उनका अधूरा रह गया लेकिन संविधान के विरुद्ध चलने से न्यायालय ही सरकार को रोक सकता है?

न्यायालय समय-समय पर अपना काम करता रहता है। सरकार को चेतावनियां देता रहा है पर सरकार इतनी बेशर्म है कि न्यायालय के फैसलों का भी सम्मान नहीं करती है। ऐसे तमाम उदाहरण हमारे सामने हैं। जातीय जनगणना करवाने और आरक्षण की रक्षा करने के लिए जब-जब विपक्ष आवाज उठाता है, तब यह सरकार कोई न कोई सांप्रदायिक चर्चा छेड़कर या विपक्ष के नेताओं पर झूठे आरोप लगाकर बिना वजह का शिगूफा शुरू करवा देती है और जनता का ध्यान असली मुद्दों से भटका देती है।

इससे समाज के दलित, पीड़ित, अल्पसंख्यक और आधी आबादी के हितों पर प्रभाव पड़ता है इसीलिए समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव ने इन पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और आधी आबादी के अधिकारों के लिए PDA का फार्मूला बनाकर उनके हितों की रक्षा पर पर विशेष ध्यान देना शुरू कर दिया है।

जितनी संवैधानिक संस्थाएं थीं, उनकी स्वायत्तता को समाप्त करने का काम इस सरकार ने किया है, यह सरकार सत्ता के विकेंद्रीकरण के विरुद्ध है जो लोकतंत्र में सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत है, यह सरकार उसके विपरीत सत्ता के केंद्रीकरण के पक्ष में है।

कुल मिलाकर आज हम देश में लोकतंत्र की जगह तानाशाही जैसे शासन की पीड़ा झेल रहे हैं लेकिन यहां सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। जनता की अदालत सबसे बड़ी अदालत है और जनता इन सब बातों को बड़े ध्यान से देख रही है।

यह पूंजीपतियों की सरकार है और केवल उनके हित में काम करती है। आम आदमी की बुनियादी जरूरत की उसे चिंता नहीं है जिस प्रकार महंगाई, बेरोजगारी और गरीबी में हम विश्व स्तर पर उनके इंडेक्स में बिल्कुल नीचे चले गए हैं, लोकतंत्र के ऊपर प्रहार करके अल्पसंख्यकों को सताए जाने वाली बात दुनिया के दूसरे देश नोट कर रहे हैं और उसपर टिप्पणियां भी कर रहे हैं पर सरकार बेशर्मी की चादर ओढ़ अपने छुपे हुए एजेंडा पर काम कर रही है। यह बात देश के लिए हितकर नही है।

अखिलेश ने दी आवाज

सामाजिक न्याय का होगा राज

बुलेटिन ब्यूरो

एक ऐसे समय में, जबकि उत्तर प्रदेश में दलित और वंचित समाज भाजपा से लगातार दूर होता जा रहा है और PDA से जुड़ रहा है तब सत्ता संरक्षित प्रभुत्वादी ताकतें इस समाज के प्रति और ज्यादा हमलावर हो रही हैं। ऐसे माहौल में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव इस समाज के साथ मजबूती से खड़े हुए हैं और सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने की समाजवादी परंपरा को और समृद्ध कर रहे हैं।

इसकी ताजा बानगी तब दिखी जब सपा ने पार्टी के दलित सांसद रामजी लाल सुमन के खिलाफ प्रभुत्वादी ताकतों के हमलों के विरोध में प्रदेश भर में जबरदस्त प्रदर्शन कर

यह बताया कि समाजवादी पार्टी ही सामाजिक न्याय की पक्षधर है।

जिस ईमानदारी, पारदर्शिता और दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ श्री अखिलेश यादव सामाजिक न्याय का राज स्थापित करने की कोशिश में जुटे हैं, उसके नतीजे भी दिखने लगे हैं। यूपी के दौरों के साथ ही दूसरे राज्यों में जिस तरह श्री अखिलेश यादव की पूछ व लोकप्रियता बढ़ी है, उससे स्पष्ट संदेश है कि PDA के साथ ही दूसरे वर्ग के सामाजिक न्याय के पक्षधर 2027 में समाजवादी सरकार बनाने जा रहे हैं।

दरअसल दलितों, वंचितों के प्रति भाजपा के असली चेहरे को इससे समझा जा सकता है कि भाजपा के नेता चुनावों से पहले दलितों के घर खाना खाने का ढोंग करते हैं फिर चुनाव हो जाने के बाद भाजपा राज में गुंडे दलित युवक को जय भीम कहने पर उसे नग्न कर मारते हैं।

इतना ही नहीं दलित समाज बारात लेकर

निकलता है तो सत्ता संरक्षित असामाजिक तत्त्व उन्हें अपमानित करते हैं। इससे उलट समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जहां भी अत्याचार होता है, मुखर होते हैं, मजलूमों के साथ पूरी पार्टी को लेकर न सिर्फ खड़े होते हैं बल्कि पीड़ित परिवारों को आर्थिक मदद पहुंचाने में भी आगे रहते हैं।

केंद्र की भाजपा सरकार की ओर से जारी NCRB की रिपोर्ट कहती है कि देश में दलित उत्पीड़न की सबसे ज्यादा घटनाएं उत्तर प्रदेश में होती हैं। अब इस रिपोर्ट को भाजपा सरकार झुठला भी नहीं सकती या किसी तरह का आरोप मढ़कर बच नहीं सकती क्योंकि केंद्र में भी उसकी ही सरकार है।

इतना ही नहीं फर्जी एनकाउंटर में भी यूपी नंबर वन ही है। सुप्रीम कोर्ट तक यूपी में कानून व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर चुका है मगर भाजपा इन सबसे कोई सबक नहीं ले रही है क्योंकि उसे जनता, खासकर दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों से कोई वास्ता नहीं है। दलितों को तो वह सामंतवादी सोच के तहत हमेशा दबाकर रखना चाहती है मगर श्री अखिलेश यादव के रहते अब यह संभव नहीं है क्योंकि उन्होंने सामाजिक न्याय के राज की स्थापना का बीड़ा उठा लिया है।

दलितों के प्रति यूपी सरकार के नकारात्मक रवैये को इससे भी समझा जा सकता है कि समाजवादी पार्टी के दलित सांसद रामजी लाल सुमन के घर एवं काफिले पर हमला होता है लेकिन सरकार खामोश रहती है। दलितों पर अत्याचार के मामले में भाजपा सरकार में यूपी नंबर एक बन गया है। भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश के दलितों के साथ अन्याय, अत्याचार चरम पर है। भाजपा सरकार आरक्षण और आजादी तो छीन ही रही है अब तो सत्ता संरक्षित प्रभुत्ववादी, दबंग और गुंडे जान ले रहे हैं। प्रयागराज में गेहूं काटने से इनकार करने पर हुई दलित युवक की हत्या अंदर से हिला देने वाली घटना है।

भाजपा सरकार में हर वर्ग के साथ उत्पीड़न और अन्याय हो रहा है। दलित समाज पर तो बड़े पैमाने पर अत्याचार हो रहा है। प्रदेश में हर दिन बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमाएं खंडित और अपमानित की जा रही है। प्रभुत्ववादी लोग बाबा साहब का संविधान और बाबा साहब की लोकप्रियता स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं।

भाजपा या उससे जुड़े संगठनों का पुराना

इतिहास है कि वे दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ जहर उगलते रहे हैं। देश भूला नहीं है जब भाजपा के वरिष्ठ नेता और गृहमंत्री ने संसद में ही बाबा साहब के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी कर जेहनियत बता दी थी। तब भी, बाबा साहब के सम्मान में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव मुखर हुए थे और पूरे उत्तर प्रदेश में बाबा साहब के सम्मान में मुहिम छेड़ी गई थी। आंदोलन किया गया था।

संविधान के बारे में पीडीए को जागरुक करने के लिए यूपी भर में समाजवादियों ने पीडीए पंचायत कर देश के लिए किए बाबा साहब के योगदान को बताया था और दृढ़ता के साथ कहा था कि बाबा साहब का अपमान समाजवादी नहीं सहेंगे।

दरअसल भाजपा मूलतः परम्परागत प्रभुत्ववादियों की पार्टी है और वर्चस्ववादी भाजपाइयों की बुनियादी सोच सामंतवादी है, जिसमें गरीब, वंचित, दलित, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, आधी आबादी (महिलाओं) और आदिवासियों के लिए अपमान के अलावा और कुछ नहीं है। इसी संदर्भ में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा भी है कि भाजपा के अंदर पदनाम भले किसी दलित, पिछड़े को मिल जाए पर 'पदमान' कभी नहीं मिलता। भाजपा की इसी मानसिकता के कारण PDA समाज श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में सामाजिक न्याय स्थापित करने की मुहिम में जुट गया है।

समाजवादी सरकार ही दिलाएगी सामाजिक न्याय

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर सामाजिक न्याय के राज की स्थापना करेंगे। उन्होंने कहा है कि सामाजिक न्याय के राज की स्थापना और आर्थिक गैरबराबरी दूर करना दो बड़ी चुनौतियां हैं। समाजवादी पार्टी इन चुनौतियों का मुकाबला कर रही है। आने वाले समय में प्रदेश में समाजवादी सरकार होगी। हम सामाजिक न्याय के रास्ते पर बढ़ेंगे।

सामाजिक न्याय पर अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर ने देश को जो संविधान दिया है उसकी प्रस्तावना में ही लिखा है कि हमें धर्मनिरपेक्ष, समाजवादी और लोकतांत्रिक देश बनाना है। बाबा साहब के बनाए संविधान की प्रस्तावना में ही समाजवाद है। नेताजी ने हम लोगों को विरासत में समाजवादी विचारधारा और समाजवादी आंदोलन दिया है। नेताजी समाजवादी आंदोलन को यहां तक लेकर आए, अब युवाओं की जिम्मेदारी है कि कई सौ वर्षों तक इसे आगे लेकर चलें।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि 2012 से 2017 तक समाजवादी सरकार की कई बड़ी उपलब्धियां हैं। प्रदेश का आधारभूत ढांचा तैयार कर विकास के रास्ते पर ले जाने का कार्य किया गया। आज, भाजपा सरकार एक्सप्रेस-वे का झूठा प्रचार कर रही है। समाजवादी पार्टी की सरकार ने 3 2 3 किलोमीटर का आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे रिकार्ड 2 3 माह में बना दिया था। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे 6 लेन का है। इसे आठ लेन किया जा सकता है। यह पहला एक्सप्रेस-वे है जिस पर सेना के लड़ाकू विमान उतारने के लिए हवाई पट्टी बनाई गई थी।

जब हमने नेताजी से इसका उद्घाटन कराया तो देश के सबसे उन्नत किस्म के लड़ाकू विमान सुखोई और मेराज उतारे गए थे। बाद में हरक्यूलिस भी उतारा गया। यह समाजवादियों की उपलब्धि थी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की एक ही उपलब्धि है पकौड़ा और भगौड़ा। नौकरी के नाम पर युवाओं को पकौड़ा तलने का काम मिला और कई लोग बैंकों से पैसा लेकर भाग गए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा व्यवस्था भाजपा सरकार ने खराब कर दी है। गरीबों को इलाज नहीं मिल रहा है।

भाजपा संविधान नहीं मानती है। जिन लोगों ने गोली मारने और अन्य तरह की धमकियां दीं उनपर कार्रवाई नहीं हुई। ये धमकियां भाजपा ने दिलवाई हैं इसीलिए कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि वह मंदिर गए तो उसे गंगा जल से धुलवाया। क्या संविधान में ऐसा है।

समाजवादी कभी जातिवादी नहीं होते हैं। समाजवादी सबको साथ लेकर चलते हैं। हम पीडीए को एकजुट करके अन्याय, अत्याचार के खिलाफ लड़ रहे हैं। पीड़ित, दुखी लोगों के खिलाफ अन्याय हो रहा है। समाजवादी पार्टी पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यकों के साथ खड़ी है। उनकी लड़ाई लड़ रही है। भाजपा भूमाफिया पार्टी है। इसकी नज़र लोगों की जमीनों पर है। वह ये जमीनें छीनना चाहती है।

भाजपा राज में दलित सांसद पर जानलेवा हमला

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में दलितों पर बढ़ते अत्याचार का सबसे बड़ा उदाहरण यह है कि समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन भी सुरक्षित नहीं हैं। उनपर सत्ता के संरक्षण में एक नहीं दो बार हमला किया गया। पहली बार आगरा स्थित उनके आवास में तोड़फोड़ की गई और फिर उनके काफिले पर टायर फेंक कर श्री सुमन पर जानलेवा हमला किया गया।

चूंकि सांसद पर जानलेवा हमला करने वालों को सत्ता का संरक्षण था लिहाजा उन्हें महज शांति भंग में चालान कर सरकार ने साबित कर दिया कि वह वाकई हमलावरों को संरक्षण दे रही है। गौरतलब है कि केंद्र में पदारूढ़ भाजपा सरकार के आंकड़ों ने पहले ही चिंता जाहिर कर दी है कि यूपी में दलितों पर अत्याचार सबसे ज्यादा हो रहे हैं।

सांसद रामजीलाल सुमन पर 26 मार्च से ही तथाकथित करणी सेना हमलावर है। पहले आगरा स्थित उनके आवास पर तोड़फोड़ की गई थी और 27 अप्रैल को उनके काफिले पर अलीगढ़ में निशाना बनाया गया। दोनों ही स्थानों पर जिस तरह हमला किया गया और पुलिस मूकदर्शक बनी रही, उसने साबित कर दिया है कि उस कथित सेना को भाजपा सरकार की शह हासिल है। अगर ऐसा न होता तो 26 मार्च को 15 किमी तक बुलडोजर लेकर सैकड़ों लोग श्री सुमन के आवास तक कैसे पहुंच जाते।

27 अप्रैल को भी ऐसा ही हुआ। श्री सुमन बुलंदशहर में थार से चार दलितों को रौंदने की घटना पर परिवार से मिलने जा रहे थे। कार्यक्रम पहले से तय था। प्रशासन को भी सूचना थी। यह कार्यक्रम जानने के बाद करणी सेना के लोगों ने पहले कमालपुर बाईपास पर हमला करने की योजना बनाई और बाद में गभाना टोल प्लाजा के आगे सोमना गांव के मोड़ पर जिस तरह श्री रामजी लाल सुमन के काफिले पर हमला बोला, वह बताता है कि उन्हें सरकार का संरक्षण हासिल है।

श्री सुमन के काफिले पर टायर फेंके गए जिससे उनके काफिले में चल रहे वाहन बेकाबू होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गए। इस हादसे में श्री सुमन के कई समर्थकों, समाजवादी पार्टी के कई पदाधिकारियों को चोटें आईं और उनके वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। बाद में श्री सुमन ने हमलावरों का शांति भंग में चालान किए जाने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

भाजपा सरकार की शह वाले संगठन को रोक पाने में नाकाम पुलिस प्रशासन ने अब सांसद श्री रामजी लाल सुमन को ही बाहर निकलने से रोकने की चेष्टा शुरू कर दी है। 2 मई को उन्हें अलीगढ़ नहीं जाने दिया गया। हालांकि 3 मई को वह आगरा के फतेहाबाद दौरे के लिए निकले।

सांसद पर हमले के खिलाफ सड़क पर उतरे समाजवादी

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद रामजी लाल सुमन पर हुए जानलेवा हमले, आवास पर तोड़फोड़ व लगातार मिल रही जान मारने की धमकी के अलावा उत्तर प्रदेश में पीडीए समाज के उत्पीड़न की बढ़ती घटनाओं व ध्वस्त कानून व्यवस्था के खिलाफ 1 मई को समाजवादी पार्टी ने राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन कर जिलाधिकारियों के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। दलितों पर बढ़ते अत्याचार के खिलाफ समाजवादी पार्टी ने संघर्ष जारी रखने का ऐलान किया है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के आह्वान पर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने एक मई को जिला मुख्यालयों पर जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया और फिर धरना दिया। कई जिलों में मौसम खराब होने के बावजूद समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे और उन्होंने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारे लगाए। कई जिलों में सरकार के इशारे पर पुलिस द्वारा पार्टी कार्यकर्ताओं को विरोध प्रदर्शन से रोकने की कोशिश की गई जिसपर पुलिस से झड़प भी हुई। कई जिलों में कार्यकर्ताओं पर फर्जी केस भी दर्ज कर भाजपा सरकार ने फिर साबित कर दिया कि वह लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन के खिलाफ है। उसे यह बर्दाश्त नहीं है कि कोई उसके खिलाफ आवाज बुलंद करे।

समाजवादी पार्टी ने राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन में कहा कि उत्तर प्रदेश में जनता के उत्पीड़न, हत्या, लूट, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार और अराजकता की घटनाएं आम हो गई हैं। कानून व्यवस्था ध्वस्त है। अपराधियों के हौसले बढ़ गए हैं। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार कानून का शासन बनाये रखने में पूरी तरह विफल हो गई है। बीते कई सप्ताह से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद (राज्यसभा) रामजी लाल सुमन को करणी सेना द्वारा निरंतर जान से मारने की धमकी दी जा रही है तथा उनके आवास पर हमला भी किया गया। 27 अप्रैल को बुलंदशहर जाते समय अलीगढ़ में उनके काफिले पर करणी सेना ने हमला किया जिससे कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हुए और लोगों को गंभीर चोटें भी आईं। इस घटना के बाद भी अराजक तत्वों पर शासन/प्रशासन ने कोई कार्यवाही नहीं की जिससे यह स्पष्ट है कि उन्हें सरकार का खुला संरक्षण प्राप्त है।

अराजकता के आगे नतमस्तक है सरकार

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने सांसद श्री रामजी लाल सुमन पर जानलेवा हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सांसद श्री रामजी लाल सुमन के क़ाफ़िले पर टायर व पत्थर फेंककर, उनके ऊपर जो जानलेवा हमला हुआ है जो एक्सीडेंट का कारण बना है, यह प्राणांतक दुर्घटना में भी बदल सकता था। ये एक आपराधिक कृत्य है। इतने टायर एक साथ इकट्ठा करना, एक गहरी साज़िश का सबूत खुद है। ये एक बार फिर इंटेलिजेंस की गहरी चूक है या फिर जानबूझकर की गई अनदेखी लगती है।

श्री यादव ने कहा कि अगर शासन-प्रशासन ये सब जानते हुए भी अनजान बनने की कोशिश कर रहा है तो वह यह जान ले कि अराजकता किसी को भी नहीं बख्शती है।

इससे पहले 26 मार्च को श्री रामजीलाल सुमन के आगरा स्थित आवास पर हुए हमले के बाद 19 अप्रैल को श्री अखिलेश यादव आगरा पहुंचे और उन्होंने सांसद रामजी लाल सुमन के आवास पर जाकर परिवारीजनों से मुलाकात की। हमले की घटना ब्योरा लिया।

यहां मीडिया से मुखातिब होते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार प्रभुत्ववादियों और सामंतवादियों को संरक्षण दे रही है। प्रभुत्ववादी और सामंतवादी लोग दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों पर हमले कर रहे है। ये लोग जानते हैं कि वह कुछ भी करें सरकार उन पर कोई कार्रवाई नहीं करेगी। भाजपा सरकार में पीडीए पर हमला कर डराने की कोशिश हो रही है।

उन्होंने कहा कि आगरा में सांसद श्री रामजी लाल सुमन के घर पर हमला सोची-समझी रणनीति और साजिश के तहत हुआ । रामजी लाल सुमन के घर तोड़फोड़ हुई। खुलेआम नंगी तलवारें लहराई गईं। जान से मारने की धमकी दी गई। आगरा हिंसा के पीछे सरकार की फंडिंग है। भाजपा सरकार संविधान के अनुसार नहीं चल रही है। उत्तर प्रदेश में कानून का राज नहीं है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार जाति के आधार पर काम कर रही है लेकिन मनमानी की मनसबदारी का दौर अब नहीं चलेगा। अब बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर का संविधान है। संविधान ही सर्वोपरि रहेगा। जब सांसद रामजी लाल सुमन की कही गई बात राज्यसभा की कार्यवाही से निकाल दी गयी तो सोशल मीडिया पर कैसे फैलाई गई। पहले भी सदन में बहुत बातें कहीं गई है। यह जिम्मेदारी सरकार की भी है कि जो बात कार्यवाही से हटा दी गई, वह न फैले लेकिन भाजपा सरकार ने जानबूझकर भोले भाले लोगों को कठपुतली बनाकर उससे राजनीतिक लाभ लेना चाहा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए परिवार जागरुक हो गया है। भाजपा सरकार अपने षड्यंत्र में कामयाब नहीं होगी। हम समाजवादी लोग संकल्प लेते हैं कि न्याय और सामाजिक न्याय के राज की स्थापना के लिए पीडीए परिवार के लोग एकजुट होकर काम करते रहेंगे। भाजपा सरकार में पीडीए के साथ बहुत अन्याय, अत्याचार हुआ है।

अखिलेश के दौरों में 2027 का अग्रिम ऐलान

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के हालिया यूपी के जिलों के दौरों ने फिर स्पष्ट संकेत दे दिए हैं कि 2027 में समाजवादी सरकार बनने जा रही है। जिस तरह श्री अखिलेश यादव के स्वागत-अभिनंदन के लिए लोग उमड़ पड़े, वह बताता है कि भाजपा सरकार से लोग त्रस्त हैं और श्री अखिलेश यादव से उनकी उम्मीदें जुड़ी हुई हैं। यह उम्मीदें सामाजिक न्याय के राज की स्थापना के संकल्प को ताकत देने वाली हैं। उनके लिए बढ़ रहा जनसमर्थन 2027 के नतीजों का अग्रिम ऐलान है।

आजमगढ़: गूंजते नारों संग सरकार बनाने का संकल्प

15 अप्रैल को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव आजमगढ़ जिले के दौरे पर थे। एक कार्यक्रम में शरीक होने पहुंचे श्री अखिलेश यादव का भव्य स्वागत किया गया। हुजूम की तरफ से नारेबाजी होती रही और यह संकल्प दोहराया जाता रहा कि 2027 में समाजवादी सरकार बनने जा रही है।

आजमगढ़ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि बाबा साहब ने जो संविधान दिया है उससे बढ़कर हमारे लिए सम्मान की कोई चीज नहीं है। संविधान ने ताकत दी है। संविधान हम सबकी ढाल है। अब सबकी जिम्मेदारी है कि उस संविधान को बचाने के लिए लगातार काम करते रहें। उन्होंने कहा कि कुछ लोग बाबा साहब के संविधान को ठेस पहुंचाने का काम कर रहे हैं। भाजपा ने संविधान के अनुसार काम नहीं किया। जब देश के सामने कठिन परिस्थितियां थीं। लोकतंत्र और संविधान बचाने की चुनौती थी तब यहां की जनता ने समाजवादियों का साथ दिया। पीडीए परिवार ने एकजुटता दिखाई।

उन्होंने कहा कि आजमगढ़ से समाजवादियों का बेहद लगाव है। राजनैतिक परिस्थितियां चाहे जैसी रही हों लेकिन आजमगढ़ ने हमेशा समाजवादियों का साथ दिया।

मैनपुरी: अखिलेश की एक झलक पाने को उमड़ी भीड़

25 अप्रैल को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव मैनपुरी के दौरे पर थे। यहां वह खिरिया गांव में स्व श्रीपाल

यादव की प्रतिमा का अनावरण करने पहुंचे थे। मैनपुरी पहुंचने पर श्री अखिलेश यादव का भव्य स्वागत किया गया। मैनपुरी में श्री यादव के स्वागत के लिए जनसमूह उमड़ पड़ा था। नौजवान श्री यादव से मुलाकात करने के लिए आतुर थे। श्री यादव के पक्ष में नारेबाजी करते हुए नौजवानों ने 2027 में समाजवादी सरकार बनाने का संकल्प लिया।

प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि श्रीपाल यादव जी पार्टी के समर्पित नेता थे। उन्होंने जीवन भर पार्टी की नीतियों, कार्यक्रमों, सिद्धांतों को आम जनता तक पहुंचाने का काम किया।

श्री अखिलेश यादव ने सेना की तारीफ करते हुए कहा कि हमारी फौज बहुत बहादुर है। दुनिया में किसी देश के पास इतनी बहादुर सेना नहीं है। हमारी सेना के जवान कठिन परिस्थितियों में सीमा की सुरक्षा कर रहे हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ समाजवादी पार्टी समेत सभी विपक्षी दल, पूरा देश केन्द्र सरकार के साथ खड़ा है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं मैनपुरी के जिलाध्यक्ष आलोक शाक्य, पूर्व विधायक राजकुमार यादव राजू आदि मौजूद रहे।

कुशीनगर: यात्रा पथ पर लगते रहे नारे, हुआ भरपूर स्वागत

26 अप्रैल को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव दिवंगत समाजवादी पार्टी के नेताओं को श्रद्धांजलि देने के लिए कुशीनगर के दौरे पर थे। सरकार ने उन्हें कुशीनगर जाने से रोकने के लिए हवाई पट्टी पर विमान उतरने की अनुमति रद्द कर दी मगर इरादे के पक्के श्री अखिलेश यादव ने कार्यक्रम नहीं टाला और वाया गोरखपुर कुशीनगर पहुंचे।

गोरखपुर पहुंचने पर समाजवादी पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं के साथ ही आमजनों का हुजूम एयरपोर्ट पर उमड़ पड़ा। श्री अखिलेश यादव के समर्थन में नारे लगाए गए। रास्ते भर उनका स्वागत किया गया।

श्री यादव ने पूर्व विधायक पूर्णमासी देहाती एवं पूर्व जिलाध्यक्ष शुकरूल्ला अंसारी को श्रद्धांजलि अर्पित की। वह पहले श्री पूर्णमासी देहाती और फिर श्री शुकरूल्ला अंसारी के गांव पहुंचे। नौरंगिया में उन्होंने श्री पूर्णमासी देहाती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि श्री पूर्णमासी देहाती जी समाजवादी पार्टी के समर्पित नेता

रहे। वह नेताजी के साथ से लेकर जीवनपर्यंत समाजवादी सिद्धांतों पर चलकर गरीब, किसान के दुख दर्द को समझ कर पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, पीड़ित, दुखी की सेवा करते रहे। कई बार विधायक चुने गए और ऊंचाई तक पहुंचे। हम समाजवादियों को दुःख है कि हम लोगों ने एक सीधे-साधे इंसान को खो दिया। यहां मीडिया से बात करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि केन्द्र सरकार आतंकवाद और आतंकवादियों के खिलाफ कठोर कदम उठाए, पूरा देश सरकार के साथ है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार ने पाकिस्तान को जवाब देने और आतंकवादियों के खिलाफ जो फैसले लिए हैं, सभी सरकार के साथ हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हमारी फौज बहुत बहादुर है लेकिन भाजपा सरकार ने सेना में अग्निवीर योजना लाकर नौजवानों का मनोबल गिराने का काम किया। नौजवान सेना में रहकर देश की सेवा करना चाहता है।

वह पक्की वर्दी और पक्की नौकरी चाहता है। कुशीनगर, गाजीपुर समेत प्रदेश के सभी जिलों के गांवों के तमाम नौजवान फौज में जाने के लिए बड़े पैमाने पर तैयारी करते थे लेकिन अग्निवीर योजना आने से नौजवानों में निराशा है।

श्री यादव ने आतंकी घटना में शहीद हुए परिवारों के लिए पांच करोड़ रूपये और सरकारी नौकरी देने की मांग की। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि उन्हें कुशीनगर एयरपोर्ट पर नहीं उतरने दिया गया। पहले भी इस एयरपोर्ट पर नहीं उतरने दिया गया था। मौसम तो ठीक था लेकिन सरकार का

मौसम गड़बड़ हो रहा है। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट तो बिकना ही है। वैसे, इस एयरपोर्ट के निर्माण में सबसे ज्यादा बजट समाजवादी सरकार ने दिया था।

इससे पूर्व श्री अखिलेश यादव ने कुशीनगर के हाटा में मदनी मस्जिद के पक्षकार शाकिर अली के घर पहुंच कर उनके पिता हाजी हामिद अली सहित पूरे परिवार से मिलकर शाकिर अली के निधन पर दुःख जताया और अपनी संवेदना प्रकट की। शाकिर अली मदनी मस्जिद के पक्षकार थे। श्री यादव ने पक्षकारों से मदनी मस्जिद प्रकरण की जानकारी ली।

बलिया:भाजपा दहाई के आंकड़े में सिमटेगी

30 अप्रैल को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव बलिया पहुंचे। यहां श्री यादव के स्वागत के लिए लोग घंटों खड़े रहे और जैसे ही उन्होंने अपने लोकप्रिय नेता की झलक देखी, गगनभेदी नारे लगाने लगे। गर्मजोशी से श्री अखिलेश यादव का स्वागत करने के बाद सभी ने एक स्वर में कहा कि 2027 में समाजवादी सरकार बनाने के लिए वे जी जान से जुटे हैं।

2027 में पीडीए समाज लोकसभा चुनाव से भी बेहतर परिणाम लाने को एकजुट है और 2027 के चुनाव में पीडीए समाज भाजपा को दहाई सीटों पर समेटने जा रहा है।

सांसद सनातन पाण्डेय के घर आयोजित शादी समारोह में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा हमेशा से दलितों के खिलाफ रही है। देश में सबसे ज्यादा दलितों के साथ अपराध की घटनाएं उत्तर प्रदेश में हो रही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में दबंगों और अराजकतत्वों का सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है। पीडीए के लोगों पर हमले हो रहे हैं। सड़कों पर तलवारें लहराई जा रही हैं। पीडीए समाज के लोग इस अराजकता को देख रहे हैं।

प्रयागराज: समाज को जोड़ने का प्लेटफार्म है PDA

19 अप्रैल को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव प्रयागराज में थे। यह दौरा निजी था पर कार्यक्रम घोषित होते ही जनता उनका इंतजार करने लगी। नौजवान, व्यापारी, महिलाएं और बुजुर्ग भी श्री अखिलेश यादव के उन रास्तों पर खड़े होकर इंतजार करने लगे जिधर से उन्हें गुजरना था। जब श्री अखिलेश यादव का काफिला पहुंचा तो गगनभेदी नारों से उनका

स्वागत किया गया।

जैसा कि प्रसिद्ध है, श्री अखिलेश यादव का व्यवहार सौम्य, शिष्ट है इसलिए उन्होंने जनता को सड़कों पर देखकर आगे बढ़ना मुनासिब नहीं समझा। वे रुके और लोग से भेंट की। छोटों को स्नेह दिया। बड़ों से आशीर्वाद लिया। सब समवेत स्वर में बोले- 2027 में समाजवादी सरकार बनाकर रहेंगे। यह प्रयागराज की धरती से यूपी भर के लिए निकला संदेश था।

प्रयागराज दौरे के दौरान श्री अखिलेश यादव ने पीडीए की मंशा, उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए बताया कि समाजवादी पार्टी पीडीए को एकजुट कर सभी को सम्मान और हक दिलाने के रास्ते पर है। पीडीए सभी समाज को जोड़ने का प्लेटफार्म है। पीडीए पीड़ित और दुःखी लोगों के साथ है। पीडीए ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को अपनी ताकत दिखा दी है। भाजपा पीडीए से घबराई हुई है। भाजपा लोकसभा चुनाव में अपनी हार को नहीं स्वीकार कर पा रही है। 2027 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश से भाजपा का सफाया हो जाएगा। पत्रकारों से वार्तालाप करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जनता के बुनियादी मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए धार्मिक उन्माद और जातीय संघर्ष बढ़ाने का काम करती है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा बहुत अहंकारी पार्टी है। इस सरकार ने महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं किया। सिर्फ अपना प्रचार किया। समाजवादी सरकार के दौरान 2013 में हमने महाकुंभ के आयोजन में बेहतरीन इंतजाम किया था। श्री यादव ने कहा कि उस समय के आयोजन और अनुभव के आधार पर हमने सरकार को समय-समय पर सुझाव दिए क्योंकि हम देख रहे थे कि महाकुंभ के लिए जिस तरह और जितनी तैयारी होनी चाहिए, वह नहीं हुई थी लेकिन समाजवादी पार्टी ने जितनी सलाह दी भाजपा सरकार ने उसे नकारात्मक रूप में लिया। वह झूठे दावे कर रही थी। यही कारण है कि महाकुंभ में भगदड़ हुई।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि कोई कपड़े पहनने से योगी नहीं होता है। भाषा, व्यवहार और विचार से योगी बनते हैं। भाजपा के लोगों को स्वामी विवेकानंद जी से सीखना चाहिए। स्वामी विवेकानंद जी ने अपने शिकागो के भाषण में भारतीय संस्कृति और हिन्दू धर्म के बारे में सच्चा व्याख्यान दिया था।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में न्याय और सामाजिक न्याय के शासन की स्थापना होगी। सभी के साथ न्याय होगा। भाजपा के अन्यायी और अत्याचारी शासन का अंत होगा।

भक्ति-ज्ञान के केंद्र

प्रयागराज में अखिलेश यादव

राजेन्द्र चौधरी

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की पौराणिक महत्व के स्थल प्रयागराज (इलाहाबाद) में 20 अप्रैल की एक दिवसीय यात्रा अविस्मरणीय रही। प्रयागराज की यात्रा के दौरान श्री अखिलेश यादव ने ऐतिहासिक अकबर का किला, पौराणिक महत्व के अक्षयवट, धार्मिक आस्था का प्रतीक सरस्वती कूप की प्राचीनता का जीवंत अनुभव किया। इस यात्रा के दौरान श्री यादव ने जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभनाथ (आदिनाथ) जी के केवल ज्ञान प्राप्ति स्थल अक्षयवट, प्रयागराज में असीम शांति देने वाले वृक्ष का दर्शन भी किया।

प्रयागराज की यात्रा के दौरान पूर्व राज्यसभा सांसद श्री किरणमय नंदा और पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेंद्र चौधरी भी साक्षी रहे। इससे पूर्व प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में श्री अखिलेश यादव ने 26 जनवरी 2025 को प्रयागराज यात्रा के दौरान संगम में स्नान किया था। इस अवसर पर उनके पुत्र अर्जुन यादव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी मौजूद रहे।

श्री अखिलेश यादव अपने राजनैतिक कार्यक्रमों से जुड़ी यात्राओं के दौरान भी समाज, संस्कृति, साहित्य सहित अन्य विभिन्न विधाओं से जुड़े स्थलों का भ्रमण जरूर करते हैं जिसके माध्यम से वह भारत की विविधता और अनेकता में एकता का संदेश देने का प्रयास करते हैं। प्रयागराज, जो पूर्व में इलाहाबाद के नाम से जाना जाता था, वहां की सांझी विरासत पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। यह ज्ञान, वैराग्य और अतीत के अद्भुत संगम की नगरी है। विविध धर्मों के पूज्य स्थल होने के साथ यहां की सामाजिक संस्कृति की जड़ें हजारों साल पुरानी है। एक दूसरे की मान्यताओं का सम्मान करते हुए कैसे समृद्ध और सुखी रहा जा सकता है यह प्रयागराज की जीवन शैली शैली में रचा बसा है।

यही नहीं प्रयागराज (इलाहाबाद) साहित्य-संस्कृति का भी केंद्र रहा है। हिंदी कवियों पंत, निराला और महादेवी के अतिरिक्त यह भूमि हरिवंश राय बच्चन, अकबर इलाहाबादी और फिराक गोरखपुरी की भी रही है। गांधी जी और डॉ राममनोहर लोहिया का प्रयागराज से गहरा नाता रहा है। यहां के लेखकों, कवियों, संस्कृति कर्मियों के साथ सिविल लाइन्स कॉफी हाउस में उनकी बैठकें जब तब होती रहती थी। स्वतंत्रता आंदोलन के बाद समाजवादी आंदोलन का भी यह गढ़ रहा है।

प्रयागराज वस्तुतः एक पौराणिक ख्याति की नगरी है जो गंगा, यमुना, सरस्वती नदियों के संगम पर स्थित है। यहां हर 12 वर्ष में कुंभ, छह वर्ष में अर्धकुंभ और हर वर्ष माघ मेला होता है। कहते हैं कि प्रयागराज में ब्रह्मा जी ने यज्ञ किया था और आदि शंकराचार्य ने तपस्या की थी। प्रयागराज में एक मजबूत किला बनाने की मुगल सम्राट अकबर के मन में बहुत इच्छा थी। अकबर ने 1583 में संगम तट पर इसका निर्माण कराया। इसे राष्ट्रीय महत्व के स्मारक की मान्यता मिली है। इसमें तीन गैलरी है जिनके दोनों ओर ऊंची मीनारें हैं।

सन् 1798 में यह किला ईस्ट इंडिया कंपनी को अवध के नवाब सआदत अली ने सौंप दिया। वर्तमान में इस किले के कुछ भाग को ही पर्यटकों के लिए खोला जाता है। बाकी हिस्से का प्रयोग भारतीय सेना करती है। सैलानियों को जोधाबाई महल, अशोक स्तंभ और सरस्वती कूप देखने की इजाजत है। नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव ने अपने रक्षा मंत्री के कार्यकाल में यहां दर्शन की सुचारू व्यवस्था कराई थी। अकबर के किले में महारानी जोधाबाई का शयन कक्ष लंबी सुरंग के बाद है। वह नाव से संगम से किला तक पहुंचती थीं। श्री यादव ने सुरंग में खुद जाकर देखा। किले में एक जनानी महल है, जिसे जहांगीर महल भी कहते हैं।

अकबर के किले में प्रसिद्ध अक्षयवट स्थापित है। श्री अखिलेश यादव बार-बार यह मांग करते रहे हैं कि केंद्र सरकार को अकबर का

किला उत्तर प्रदेश सरकार को स्थानांतरित करना चाहिए। अक्षयवट को मनोकामना पूर्ण करने वाला 'मनोरथ वृक्ष' भी कहा जाता है। कहा जाता है कि वाल्मीकि रामायण में भी अक्षयवट का उल्लेख है। ब्रह्माजी ने यहां यज्ञ किया था। भगवान विष्णु यजमान और भगवान शिव देवता बने थे। इन तीन देवों के शक्तिपुंज से उत्पन्न वृक्ष ही अक्षयवट है। इस वट वृक्ष की उम्र 5270 वर्ष बताई जाती है। ऋषि मार्कंडेय ने इस वट वृक्ष के नीचे तपस्या की थी। जैन समाज मानता है कि उनके तीर्थंकर ऋषभ देव ने अक्षयवट के नीचे तपस्या की थी। मान्यता है कि ऋषि शुकदेव, ऋषि भारद्वाज, ऋषि जमदग्नि, ऋषि विश्वामित्र, ऋषि गौतम, ऋषि व्यास, ऋषि कपिल भी वट वृक्ष से संबंधित रहे हैं।

कहा जाता है कि अक्षय वट के नीचे बैठकर ऋषि शुकदेव ने अर्जुन के पोते परीक्षित को श्रीमद् भागवत पुराण सुनाया था। इसके अलावा, एक मान्यता यह भी है कि बाल रूप में भगवान श्रीकृष्ण इसी वट वृक्ष पर विराजमान हुए थे। श्रीहरि इसके पत्ते पर शयन करते हैं। पद्म पुराण में अक्षयवट को तीर्थराज प्रयाग का 'छत्र' कहा गया है। प्रयागराज की यात्रा अक्षयवट के अलावा सरस्वती कूप के दर्शन के बिना पूर्ण नहीं मानी जाती है। माना जाता है कि सरस्वती कूप प्राचीन काल में सरस्वती नदी का उद्गम स्थल था। यह सरस्वती नदी के गुप्त संगम के पास स्थित है। यह ऐतिहासिक और आध्यात्मिक स्थल के रूप में विख्यात है।

श्री अखिलेश यादव ने सरस्वती कूप और अक्षयवट दोनों की पूजा की। सूबेदार मेजर श्री आरएन पाण्डेय ने विधिवत पुजारी के रूप में पूजा कराई। श्री अखिलेश यादव ने प्रयागराज के धार्मिक स्थलों में गहरी रुचि

दिखाई है। वह लेटे हुए हनुमान जी के भी दर्शन कर चुके हैं। यहां श्री यादव साधु संतों तथा आश्रमों के भी संपर्क में भी रहे हैं। भारत की आध्यात्मिक परंपरा एवं मान्यताओं के प्रति श्री अखिलेश यादव की गहरी आस्था एवं श्रद्धा है। संगम की रेती पर भ्रमण के दौरान श्री अखिलेश यादव से संवाद के क्रम में पर्यटकों ने 2013 के महाकुंभ की भव्यता से जुड़ी सुखद स्मृतियों को साझा किया। स्मरण रहे कि 2013 के कुंभ के प्रबंधन की सराहना अमेरिका के हावर्ड यूनिवर्सिटी के शोध दल ने भी किया था जो एक पुस्तक के रूप में प्रकाशित भी हुआ था।

(लेखक पूर्व कैबिनेट मंत्री हैं। वर्तमान में समाजवादी पार्टी से उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य हैं)

अखिलेश को सत्ता में लाएगा युवा जोश

बुलेटिन ब्यूरो

PDA को हक व सम्मान दिलाने के लिए समाजवादी नौजवानों ने मुट्ठी बांध ली है और 2027 में समाजवादी सरकार बनाने का दृढ़ संकल्प लिया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने समाजवादी युवाओं को PDA संकल्प दिलाते हुए उनसे भाजपा-आरएसएस के नफरती एजेंडे का डटकर मुकाबला करने का आह्वान किया है ताकि समाज में समरसता, सद्भाव पर आंच न आने पाए और सामाजिक न्याय की स्थापना हो सके। समाजवादी पार्टी के युवा संगठनों छात्र सभा, समाजवादी युवजन सभा, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड व लोहिया वाहिनी के पदाधिकारियों के साथ अलग-अलग बैठकें कर श्री अखिलेश यादव ने उन्हें 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाने को कहा और उन्हें बताया कि मतदाता सूची से लेकर बूथों तक किस तरह डटकर मुकाबला करना है। समाजवादी युवा साथी 2027 में श्री अखिलेश यादव की सरकार बनाने का संकल्प लेकर इन बैठकों से ऊर्जा-उत्साह के साथ जिलों के लिए रवाना हुए। ***युवा संगठनों की बैठकों पर प्रस्तुत है संगठनवार विस्तृत रिपोर्ट-***

छात्र सभा: अगला चुनाव योगी बनाम प्रतियोगी

8 मई को समाजवादी छात्र सभा की राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक कार्यकारिणी एवं प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर आयोजित की गई। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव शामिल हुए।

बैठक में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव हारने के बाद से ही भाजपा बौखलाई हुई है। समाजवादी पार्टी के कारण ही भाजपा की केन्द्र में बहुमत की सरकार नहीं बन सकी।

2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनना इसलिए जरूरी है कि विकास का रास्ता प्रशस्त हो सके। उन्होंने कहा कि अगला चुनाव योगी बनाम प्रतियोगी होगा। श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा भ्रम का प्रचार कर लोकतंत्र को कमजोर करने और संविधान बदलकर आरक्षण समाप्त करने की साजिश कर रही है। आरएसएस का एजेंडा नफरत फैलाने का है। इनसे सावधान रहना है। वोटर लिस्ट से लेकर बूथ स्तर तक सतर्कता बरतनी होगी। 2027 में समाजवादी पार्टी की ऐतिहासिक जीत होने जा रही है।

श्री यादव ने कहा कि नौजवानों को अनुशासन के साथ अपना व्यवहार भाषा, व्यवहार उचित रखना चाहिए। एक दूसरे का सम्मान करना सीखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में छात्रों की कोई सुनने वाला नहीं है। छात्रों का कोई भविष्य नहीं है। छात्रसंघ की बहाली नहीं हो रही है। लोकतंत्र का पहला पाठ छात्र संघ से ही सीखा जाता है। पीडीए ही एकमात्र विकल्प होगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में किसी की सुनवाई नहीं। विकास की जगह विनाश हो रहा है। निजीकरण के बहाने पढ़ाई, रोजगार से पीडीए को दूर किया जा रहा है। नौजवान पार्टी के कार्यक्रम और संदेश को गांव-गांव, घर-घर पहुंचाएंगे और पीडीए की ताकत से भाजपा को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सामाजिक न्याय की लड़ाई लंबी है। सामाजिक न्याय राज की स्थापना के संघर्ष में छात्रों की भूमिका महत्वपूर्ण है। नौजवानों को स्वाभिमान और स्वमान की नई सामाजिक चेतना लाने के लिए अभी से एकजुट होना है। गांव गली, मोहल्लों के हर घर तक जाकर लोगों को जोड़कर सम्पूर्ण पीडीए समाज को सम्मान और अवसर दिलाने और समाजवादी सरकार बनवाने के लिए काम करना है।

बैठक में छात्र सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ इमरान, प्रदेश अध्यक्ष छात्र सभा विनीत कुशवाहा, अनीस राजा प्रदेश अध्यक्ष मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड, सिद्धार्थ सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड, अभिषेक यादव राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी लोहिया वाहिनी, मोहम्मद फहद राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी युवजन सभा, अरविन्द गिरि प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी युवजन सभा, रामकरन निर्मल प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी लोहिया वाहिनी, दिग्विजय सिंह देव आदि मौजूद रहे।

युवजन सभा: नफरती एजेंडा ध्वस्त करना यूथ की जिम्मेदारी

22 अप्रैल को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ के डॉ राममनोहर लोहिया सभागार में समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों तथा प्रमुख नेताओं की बैठक हुई। बैठक को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने संबोधित किया। बैठक में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2027 का विधानसभा चुनाव लोकतंत्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण चुनाव साबित होगा।

भाजपा सत्ता के मद में चूर है। भाजपा और आरएसएस का षड्यंत्रकारी एजेंडा समाज में नफरत फैलाकर चुनाव जीतता है। भाजपा-आरएसएस के एजेंडा को ध्वस्त करने की मुख्य जिम्मेदारी समाजवादी पार्टी के युवा नेताओं और कार्यकर्ताओं की होगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि षडयंत्रकारी भाजपा की रणनीति और उसके अवैध कार्यों पर पैनी नज़र रखते हुए समाजवादी पार्टी के युवाओं को पूरी ताकत से मुकाबला करना है। समाजवादी पार्टी के युवा नेता और कार्यकर्ता अभी से अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में पूरी ताकत से जुटकर भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए बूथस्तर तक लोगों को जोड़ने का काम करें।

बैठक में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री किरनमय नंदा, पूर्व कैबिनेट

मंत्री राजेन्द्र चौधरी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद संजय लाठर सहित समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद फहद तथा प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द गिरि भी मौजूद रहे।

श्री अखिलेश यादव ने बैठक में इस बात पर जोर दिया कि प्रदेश में शिक्षा का राजनीतिकरण किया जा रहा है। निजीकरण से शिक्षा महंगी होती जा रही है। फीस की वृद्धि से गरीब छात्र पढ़ नहीं पा रहे हैं। योग्यता के अनुसार नौकरी नहीं मिल रही है। भाजपा ने युवाओं को डिलीवरी ब्वॉय बना दिया है। बेरोजगारी बेलगाम है। समाजवादी पार्टी के युवा नेताओं और कार्यकर्ताओं की बड़ी जिम्मेदारी हैं कि वह आपसी भाईचारा बनाकर समाज में फैली नफरत को मिटाएं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा आरएसएस का एजेंडा समाज को तोड़ने और बांटने का है। इसके लिए भाजपा नए-नए कानून बनाकर महंगाई, बेरोजगारी, अन्याय, भ्रष्टाचार के मुद्दों से ध्यान भटकाने का काम कर रही है ताकि भाजपा की नाकामी उजागर न हो। उन्होंने कहा कि हमारे नौजवानों को भाजपा की साजिशों से सावधान रहना है। हमें अपनी भाषा संयत रखनी हैं अपना व्यवहार और आचरण ठीक रखना है।

उन्होंने कहा कि पीडीए का मुकाबला भाजपाई एनडीए से है। पीडीए सबको साथ लेकर चलता है। पीड़ित, शोषित, वंचित, दुःखी, अपमानित सभी पीडीए है। पीडीए ही नौजवानों को नौकरी दिलाएगा। सबको उनका हक और सम्मान दिलाएगा। पीडीए की सरकार में कोई भेदभाव नहीं होगा। उन्होंने नौजवानों से कहा कि वे पीडीए की जीत और एनडीए की पराजय के लिए जी जान से जुट जाएं।

बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने समाजवादी युवजन सभा की तारीफ करते हुए कहा कि युवजन समाजवादी पार्टी की धड़कन है। समाजवादी युवजन सभा हमारा संदेश दूत है, यही नौजवान गांव-गांव और गली-गली जाकर समाजवादी पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को लोगों को बताएंगे। यही नौजवान बाबा साहब के संविधान और संविधान में दिए गए आरक्षण को बचाएंगे और लोकसभा चुनाव की तरह समाजवादी पार्टी को विधानसभा चुनाव में जिताकर प्रदेश में पीडीए की सरकार बनाएंगे।

श्री यादव ने कहा कि नौजवानों ने पूरे प्रदेश

में सफलतापूर्वक पीडीए पंचायत की। पीडीए की सरकार बनेगी तो नौजवानों को नौकरी और रोजगार मिलेगा।

यूथ ब्रिगेड: झूठ की पोल खोलें, पीडीए का संकल्प बताएं

27 अप्रैल को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड की राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक हुई। बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने यूथ ब्रिगेड के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को पीडीए संकल्प दिलाया। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के नौजवान गांव-गांव जाकर भाजपा के झूठ का पर्दाफाश करेंगे और जनता को पीडीए का संकल्प बताएंगे।

बैठक में श्री अखिलेश यादव ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से कहा कि आस-पास कोई भी घटना हो, जनता के दुःख-दर्द में शामिल हों। जनता को समाजवादी पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों की जानकारी दें। लोगों को पार्टी से जोड़ें और वोट बढ़ाएं। समाजवादी पार्टी के पास युवाओं का मजबूत संगठन है। युवा समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएंगे। युवा अपना बूथ मजबूत करें। जमीन पर काम करें। चुनाव में बूथ जिताएं। 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने जा रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में विकास का कोई काम नहीं हुआ। भाजपा सरकार में जमीन पर कोई काम नहीं है। सब हवा में है। हर तरफ भ्रष्टाचार और लूट है।

बैठक में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, पूर्व नेता विरोधी दल संजय लाठर, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह, प्रदेश अध्यक्ष अनीस राजा के साथ मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के सभी राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार आज बहुत बड़ा मुद्दा है। नौकरियां खत्म हो रही हैं। युवाओं को योग्यता के अनुसार काम नहीं मिल रहा है। भाजपा सरकार जनता को संविधान से मिले अधिकार छीन रही है। आरक्षण के साथ खिलवाड़ कर रही है। निजीकरण को बढ़ावा दे रही है। नियुक्तियों में राजनीतिक हस्तक्षेप हो रहा है। युवतियों के लिए उत्तर प्रदेश का माहौल असुरक्षित है। सरकार बहन-बेटियों को सुरक्षा नहीं दे पा रही है।

उन्होंने कहा कि पढ़ाई में फीस महंगी होती जा रही है। शिक्षा के क्षेत्र में जो मनमानी और निजीकरण हो रहा है। उसके खिलाफ समाजवादी पार्टी के नौजवान साथी लोगों के बीच जाएंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता गांव-गांव पहुंचकर जनता को पीडीए संकल्प की जानकारी देंगे और सामाजिक न्याय के राज की स्थापना के संकल्प को दोहराएंगे।

लोहिया वाहिनी: वोटर लिस्ट ठीक कराने पर होगा जोर

28 अप्रैल को समाजवादी पार्टी, प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में समाजवादी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने लोहिया वाहिनी के पदाधिकारियों एवं

कार्यकर्ताओं को पीडीए संकल्प दिलाया।

बैठक में श्री यादव ने लोहिया वाहिनी के पदाधिकारियों-कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे गांव-गांव, घर-घर जाकर लोगों को भाजपा सरकार की नाकामियां बताएं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के पास युवाओं का बहुत मजबूत संगठन है। समाजवादियों ने जिसके खिलाफ मन बना लिया, उसे सत्ता से हटा दिया है। 2027 के विधानसभा चुनाव में पीडीए की हवा में भाजपा का पता नहीं चलेगा। समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर ईवीएम का भी इलाज हो जाएगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता सभी लोग वोटर लिस्ट ठीक कराने और वोट बढ़ाने पर काम करें। विधानसभाओं में सभी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी। सभी को सौ फीसदी स्ट्राइक रेट के साथ परिणाम देना हैं।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने संस्थाओं को कमजोर किया है। संविधान को नुकसान पहुंचाया हैं। आरक्षण के साथ खिलवाड़ किया है।

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि लोहिया वाहिनी के नौजवानों ने पीडीए संकल्प लिया है। इस संकल्प को लेकर नौजवान गांव-गांव और घर-घर जनता के बीच जाएंगे।

बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा, पूर्व नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद् संजय लाठर, पूर्व एमएलसी सुनील सिंह साजन, राष्ट्रीय सचिव अवलेश सिंह, लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक यादव, प्रदेश अध्यक्ष राम करन निर्मल समेत राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारी मौजूद रहे।

मजदूरों को देंगे सम्मान से जीने का हक

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर 6 मई को समाजवादी मजदूर सभा के राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक पदाधिकारियों तथा प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। बैठक में पूरी ताकत से एक होकर भाजपा की साजिशों और षड़यंत्रों को ध्वस्त कर 2027 में श्री अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि मजदूरों को बहुत विकट परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। उनका जीवन संकट में रहता है। मजदूरों का भाजपा सरकार में बहुत शोषण हो रहा है। रोटी-रोजगार के लिए उन्हें इधर-उधर भटकना पड़ता है। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि श्रमिकों का स्वाभिमान हर हाल में सुरक्षित होना चाहिए। समाजवादी पार्टी श्रमिकों के साथ है।

कोविड काल में समाजवादी पार्टी ही श्रमिकों की मदद करने आगे आई समाजवादी सरकार में न्यूनतम श्रम बोर्ड का गठन किया गया था। श्रमिकों को सरकार की तरफ से साइकिलें दी गईं थीं। समाजवादी सरकार में मानदेय की भी व्यवस्था की गई थी। भाजपा ने समाजवादी सरकार की सभी श्रमिक कल्याण सम्बंधी योजनाएं बंद कर दी हैं।

श्री यादव ने कहा कि आगामी 2027 की लड़ाई सबसे बड़ी है। भाजपा के झूठ का पर्दाफाश होगा। सामाजिक न्याय का राज समाजवादी सरकार बनने पर ही स्थापित होगा। श्रमिकों को सम्मान पूर्वक जीवन जीने का अवसर मिलेगा।

सपा में शामिल होने वालों का तांता
PDA परिवार और मजबूत

बुलेटिन ब्यूरो

2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ भाजपा व उसके घटक दलों में भगदड़ मच गई है और पीडीए परिवार लगातार मजबूत होता जा रहा है। पीडीए समाज का बड़ा तबका भाजपा व अन्य दलों को छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल होरहा है। सपा में शामिल होने वालों का बढ़ता तांता इस बात का संकेत है कि पीडीए समाज 2027 में समाजवादी सरकार बनाने को दृढ़ संकल्पित है।

1 मई को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में दूसरे दलों के वरिष्ठ नेताओं व कार्यकर्ताओं ने समाजवादी पार्टी की नीतियों एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व पर आस्था जताते हुए सपा की सदस्यता ग्रहण की। श्री अखिलेश यादव की उपस्थिति में भाजपा, बसपा, कांग्रेस, लोकदल समेत कई दलों के प्रमुख लोगों ने सैकड़ों साथियों के साथ समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

सपा में शामिल होने वाले नेताओं-कार्यकर्ताओं ने श्री अखिलेश यादव को देश का भविष्य बताते हुए 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए एकजुट प्रयास करने का संकल्प लिया।

सदस्यता दिलाने के बाद श्री अखिलेश यादव ने उम्मीद जताई कि नए साथियों के आने से समाजवादी पार्टी को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने सभी का स्वागत किया और कहा कि आगे लड़ाई की तैयारी में और भी लोगों का साथ मिलेगा। उन्होंने कहा कि अब तो परिवर्तन तय है।

समाजवादी पार्टी की सदस्यता लेने वालों में सर्वश्री बदरूद्दीन खान वरिष्ठ अधिकारी (सेवानिवृत्त) राज्यसभा, युवा लोकदल के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष वसीम राजा, धामपुर के पूर्व विधायक और पूर्व राज्य मंत्री ठाकुर मूलचंद चौहान, बसपा छोड़कर श्री महेन्द्र सिंह वर्मा पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत बांदा, श्री कमलेश आदि प्रमुख रहे।

इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं को होर्डिंग, बैनर और पोस्टर बनवाने को लेकर दिए संदेश में कहा कि "हम अपने सभी समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रेम, स्नेह, समर्पण के लिए उनकी भावनाओं का हृदय से आभार प्रकट करते हैं, साथ ही ये अति संवेदनशील अपील भी करते हैं कि भावना में बहकर कभी भी किसी पार्टी नेता की तुलना या समकक्षता किसी भी दिव्य और पूजनीय महापुरुष या महाव्यक्तित्व से किसी भी संदर्भ में नहीं करें और न ही इस तुलना को दर्शाने वाली कोई भी तस्वीर, प्रतिमा, गीत बनाएं या बयान दें। दिव्य व्यक्तित्व व महापुरुष किसी भी तुलना से बहुत ऊपर होते हैं।

उपलब्धि

जातीय जनगणना

PDA के दबाव पर सरकार हुई तैयार

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव द्वारा जातीय जनगणना कराने की लगातार मांग ने आखिरकार रंग दिखाया। सपा के साथ मिलकर PDA समाज की ओर से निरंतर की जा रही इस मांग ने इतना बड़ा रूप ले लिया कि केंद्र की भाजपा सरकार को जातीय जनगणना कराने की घोषणा करनी ही पड़ी। जबकि हाल तक भाजपा इसके लिए तैयार नहीं थी।

हालांकि सरकार ने ऐलान जरूर कर दिया है मगर कई बिंदुओं पर अभी संशय बना हुआ है। संशय का प्रमुख कारण यह भी है कि पूर्व में भाजपा की तमाम घोषणाएं जुमला साबित हुई हैं मगर इस बार भाजपा की चाल कामयाब नहीं होने वाली क्योंकि पीडीए को न्याय-सम्मान दिलाने की लड़ाई श्री अखिलेश यादव लड़ रहे हैं इसलिए जातीय जनगणना पर भी उनकी पैनी नजर रहेगी।

श्री यादव हमेशा ही जोरशोर से यह आवाज उठाते रहे हैं कि जातीय जनगणना कराने के बाद आबादी के हिसाब से पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों के अलावा अन्य सभी जातियों को उनका अधिकार व सम्मान दिया जाना चाहिए।

जातीय जनगणना कराने की मांग बहुत पुरानी है। लंबे अरसे से यह मांग उठती रही है। श्री अखिलेश यादव ने इस मांग को धार दी और लंबी लड़ाई शुरू की। उनकी मुहिम तब और परवान चढ़ी जब लोकसभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन बना और यूपी में उसका नेतृत्व श्री अखिलेश यादव करने लगे।

उन्होंने गठबंधन के साथियों के बीच जातीय जनगणना की जरूरत पर ऐसा माहौल बनाया कि कांग्रेस से लेकर दूसरे अन्य सहयोगी दलों ने भी उनकी मांग का समर्थन किया। यूपी से लेकर तमिलनाडु तक श्री

90 फीसदी पीडीए की एकजुटता की
100 प्रतिशत जीत
-अखिलेश

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि जातीय जनगणना का फैसला बाबा साहब के संविधान में दिए गए न्याय की समानता और 90 फीसदी पीडीए की एकजुटता की 100 फीसदी जीत है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने संविधान में सभी को न्याय और समानता का अधिकार दिया है। हम सबके सम्मिलित दबाव से भाजपा सरकार मजबूरन ये निर्णय लेने को बाध्य हुई है। केंद्र सरकार को पीडीए के दबाव में फैसला लेना पड़ा। सामाजिक न्याय की लड़ाई में ये पीडीए की जीत का एक अतिमहत्वपूर्ण चरण है।

श्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार को ये चेतावनी भी दी है कि अपनी चुनावी धांधली को जाति जनगणना से दूर रखे। एक ईमानदार जनगणना ही हर जाति को अपनी-अपनी जनसंख्या के अनुपात में अपना वह अधिकार दिलवाएगी,जिस पर अब तक वर्चस्ववादी फन मारकर बैठे थे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि ये अधिकारों के सकारात्मक लोकतांत्रिक आंदोलन का पहला चरण है और भाजपा की नकारात्मक राजनीति का अंतिम। भाजपा की प्रभुत्ववादी सोच का अंत होकर ही रहेगा। संविधान के आगे मनविधान लंबे समय तक चल भी नहीं सकता है। जातीय जनगणना इंडिया की जीत है।

पत्रकारों से बातचीत में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादियों ने जातीय जनगणना के मुद्दे को हमेशा बहुत जिम्मेदारी से उठाया। नेताजी श्रद्धेय श्री मुलायम सिंह यादव, श्रद्धेय श्री शरद यादव और श्री लालू प्रसाद यादव जी ने जातीय जनगणना के मुद्दे को लगातार लोकसभा में उठाया, लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि यह लंबे संघर्षों की बड़ी जीत है। यह अभी शुरुआत है। इसके आगे प्राइवेट और सरकारी संस्थाओं की नौकरियों और रोजगार में आरक्षण समेत अन्य मुद्दों पर बहस छिड़ेगी। यह सामाजिक न्याय की राज की स्थापना की दिशा में एक कदम है। हमें उम्मीद है कि सरकार ईमानदारी से जातीय जनगणना कराएगी और सच्चा डाटा मिलेगा।लड़ाई हमारी पीडीए की लड़ाई है।

अखिलेश यादव को मिले व्यापक जनसमर्थन ने भाजपा पर दबाव बनाना शुरू कर दिया।

लोकसभा चुनाव में जब पीडीए ने एकजुटता दिखाते हुए समाजवादी पार्टी को तीसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में संसद भेजा तो पीडीए की एकजुटता का संदेश भी गया। पीडीए समाज को मजबूत करने और उनकी मांग को और धार देते हुए श्री अखिलेश यादव ने गांव-गांव पीडीए पंचायत कराई तो जातीय जनगणना की मांग और जोर पकड़ने लगी। पीडीए की ताकत को देखते हुए भाजपा को झुकना पड़ा और आखिरकार केंद्र सरकार को जातीय जनगणना का ऐलान करना ही पड़ा।

चूंकि अभी घोषणा ही हुई है और उसको अंजाम तक ले जाने को लेकर भी श्री अखिलेश यादव सतर्क हैं और भाजपा सरकार को अपने बयानों के जरिए याद दिलाते रहते हैं कि जातीय जनगणना करवानी भी है।

इसलिए पीडीए को सतर्क रहते हुए एकजुटता की ताकत को बनाए रखना है ताकि जनगणना के इस कार्य को अमली जामा पहनाया जा सके। अभी लड़ाई लंबी है और असली लड़ाई तब शुरू होगी जब आंकड़े सामने आ जाएंगे और पीडीए को उनका अधिकार-सम्मान मिलेगा।

श्री अखिलेश यादव पीडीए को जिस तरह निरंतर एकजुट कर रहे हैं, उसे धार देने में दिनरात लगे हुए हैं, उसके मद्देनजर पीडीए समाज को पूरा यकीन है कि सपा मुखिया जातीय जनगणना की इस मांग को अंजाम तक पहुंचाकर रहेंगे।

राजभर-चौहान समाज का संकल्प

यूपी में अखिलेश की सरकार बनाएंगे

बुलेटिन ब्यूरो

सामाजिक न्याय की लड़ाई को धार दे रहे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के साथ पीडीए समाज मजबूती से जुड़ चुका है। समाज के विभिन्न तबकों ने ठान लिया है कि वे 2027 में सामाजिक न्याय का राज स्थापित करने के लिए श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी सरकार का गठन करेंगे ताकि पीडीए समाज को उनका अधिकार व सम्मान मिल सके।

इसी कड़ी में राजभर व चौहान समाज ने भी अब कमर कस ली है और ठान लिया है कि 2027 में यूपी में समाजवादी परचम लहराना है।

राजभर व चौहान समाज के संकल्प के प्रति आभार जताते हुए श्री अखिलेश यादव ने भी भरोसा दिलाया है कि समाजवादी सरकार में राजभर व चौहान समाज को भी पूरा अधिकार व सम्मान दिया जाएगा।

2 मई को समाजवादी पार्टी, प्रदेश मुख्यालय पर सुहेलदेव सम्मान स्वाभिमान पार्टी के कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। बैठक में मुख्य

अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव और विशिष्ट अतिथि सुहेल देव सम्मान स्वाभिमान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र राजभर रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी में सभी को सम्मान मिलता है। राजभर समाज का सम्मान समाजवादी पार्टी में ही सुरक्षित है। उत्तर प्रदेश की खुशहाली के लिए पीडीए सरकार जरूरी है। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय की लड़ाई बड़ी है। पीडीए की एकजुटता बनाए रखना है। पीडीए को हक और सम्मान दिलाना समाजवादियों का पुराना एजेंडा है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सुहेलदेव स्वाभिमान सम्मान पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जो सुझाव दिए हैं समाजवादी पार्टी उसपर अमल करेगी। उन्होंने कहा कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर देश के सबसे सुन्दर गोमती रिवर फ्रंट पर वीर योद्धा महाराजा सुहेलदेव की मूर्ति लगवाई जाएगी और सम्मान किया जाएगा। उनके शौर्य के अनुरूप अष्टधातु की विशाल तलवार भी होगी, जो सोने की तरह चमकेगी।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की ही तरह श्री महेन्द्र राजभर जी एवं उनकी पार्टी व उनके समाज के लोग भी जातिगत जनगणना के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में इनके समाज ने भरपूर मदद की। बलिया से लेकर घोसी, चंदौली, प्रयागराज, सलेमपुर तक समाजवादियों ने भाजपा का तेल निकाल दिया। इसी तरह से विधानसभा चुनाव में हम सब मिलकर भाजपा का तेल निकाल देंगे।

बैठक को संबोधित करते हुए श्री महेन्द्र राजभर ने कहा कि भाजपा सरकार में हर स्तर पर भ्रष्टाचार है। गरीबों को श्री अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री बनने का इंतजार है। प्रदेश में समाजवादी सरकार बनने पर गरीबों को आवास, नौकरी समेत अन्य सुविधाएं मिलेंगी।

बैठक में राजभर समाज के सभी नेताओं ने श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में अपना भरोसा जताते हुए कहा कि राजभर समाज पूरी निष्ठा से पीडीए की सरकार बनाने में मदद करेगा। पूरा राजभर समाज 2027 में श्री अखिलेश यादव की सरकार बनाने के लिए जुटा है। समाज के लोग गांव-गांव, घर-घर जाकर पीडीए के जननायक श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए

एक-एक वोट देने का काम करेगा।

कार्यक्रम में सर्वश्री सांसद रमाशंकर राजभर विद्यार्थी, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, पूर्व मंत्री एवं विधायक रामअचल राजभर, विधायक कमलाकांत राजभर समेत समाज के लोग एवं बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

समाजवादी पार्टी के प्रति समर्थन का सिलसिला जारी रखते हुए 4 मई को सपा के राज्य मुख्यालय पर प्रतिनिधि सम्मेलन में प्रदेशभर से चौहान समाज का जुटान हुआ और 2027 में उत्तर प्रदेश में श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया गया। चौहान समाज के प्रतिनिधि सम्मेलन का आयोजन श्री महेन्द्र चौहान ने किया था।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि चौहान समाज का उत्साह, लगाव और ऊर्जा देखकर भरोसा है कि 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि हमारी आपकी पीड़ा, दुःख एक है और लक्ष्य भी एक है। भाजपा साजिशों और षडयंत्र का तानाबाना बुन रही है लेकिन पीडीए की ताकत के सामने भाजपा टिक नहीं पाएगी। जातीय जनगणना का निर्णय लेने के लिए केन्द्र सरकार पीडीए की ताकत से ही मजबूर हुई है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों से बुरी तरह घबराई हुई है। वह यूपी की हार को पचा नहीं पा रही है। जातीय जनगणना में भाजपा कोई गड़बड़ी न कर पाए इसके लिए सतर्क रहना है।

श्री यादव ने कहा कि संविधान ने हमें सम्मान दिया है। हमारे साथ भेदभाव और अन्याय

एक जैसे हैं। जो वन नेशन वन इलेक्शन की बातें करते हैं वे यूपी में एक तारीख में ही चुनाव क्यों नहीं कराते हैं? उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की लड़ाई महत्वपूर्ण साबित होगी। 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर करना है।

अपने संबोधन में श्री महेन्द्र चौहान ने कहा कि भाजपा सरकार में चौहान समाज के लोगों का उत्पीड़न हो रहा है। उन्हें अपमानित किया जा रहा है। उनकी हत्याएं हो रही हैं। भाजपा ने उन्हें धोखा दिया है। उन्हें छला गया है। उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में कोई चूक न होने पाए। होशियार रहने की जरूरत है। चौहान समाज पूरी तरह से पीडीए समाज से जुड़ा है। चौहान समाज का सम्मान समाजवादी पार्टी में ही सुरक्षित है।

चौहान समाज से जुड़े अन्य वक्ताओं ने कहा कि जबसे श्री अखिलेश यादव ने पीडीए का नारा दिया है तबसे पीडीए समाज में जागरुकता आई है। चौहान समाज को पूरी उम्मीद है कि श्री अखिलेश यादव जी सामाजिक न्याय राज की स्थापना करेंगे।

प्रतिनिधि सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए चौहान समाज के लोगों का धन्यवाद करते हुए कहा कि हम चौहान समाज की भावना के लिए आभार प्रकट करते हैं। प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर चौहान समाज का पूरा सम्मान किया जायेगा।

महाराणा प्रताप की प्रतिमा लगाएगी समाजवादी सरकार

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय समेत प्रदेश के विभिन्न जनपदों में समाजवादी पार्टी कार्यालयों पर 9 मई को अद्भुत शौर्य और साहस के प्रतीक महाराणा प्रताप की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई।

राजधानी स्थित प्रदेश कार्यालय में महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत पर महाराणा प्रताप के चित्र पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने माल्यार्पण कर नमन किया। कार्यक्रम में क्षत्रिय समाज के सैकड़ों प्रतिनिधियों के राणा प्रताप अमर रहें और जय भवानी के उद्घोष के बीच श्री अखिलेश यादव ने समाजवादी सरकार बनने पर महाराणा प्रताप जयंती पर दो दिन की छुट्टी करने और लखनऊ में गोमती रिवरफ्रंट पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा लगाने की घोषणा की।

श्री अखिलेश यादव ने महाराणा प्रताप जयंती पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका त्याग बलिदान और शौर्य हम सबके लिए प्रेरणास्रोत है। आगे की पीढ़ियां भी उनसे प्रेरणा लेती रहेंगी।

श्री यादव ने भाजपा सरकार द्वारा कुंभ को महाकुंभ बताने पर टिप्पणी की कि कुंभ निश्चित अवधि में सदियों से होता आया है। भाजपा कुंभ में महादानी सम्राट हर्षवर्धन के योगदान की चर्चा नहीं करती। उन्होंने कहा कि जो इतिहास जोड़ता न हो उसे इतिहास ही रहने देना चाहिए। महापुरूषों का राजनीतिक लाभ नहीं उठाना चाहिए।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा के एजेंडा में नौकरी नहीं है। भाजपा रोजगार कारोबार के

विरूद्ध है। जगह-जगह होने वाले मेलों में कारोबारी आते है। व्यापार बढ़ता है। भाजपा को यह पसंद नहीं है।

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री अरविन्द सिंह गोप ने कहा कि समाजवादी सरकार में आधा दर्जन क्षत्रिय मंत्री बने थे। राणा प्रताप की जयंती पर छुट्टी दी गई थी। उन्होंने कहा कि हम सभी को 2027 में अखिलेश जी को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लेना है। कार्यक्रम में श्री अखिलेश यादव को स्मृतिचिन्ह और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती कार्यक्रम के आयोजक श्री उदयवीर सिंह पूर्व एमएलसी, धर्मेन्द कुमार सिंह बबलू प्रवक्ता समाजवादी पार्टी थे। अध्यक्षता पूर्व मंत्री अरविन्द सिंह गोप ने की।

कार्यक्रम में सर्वश्री किरनमय नंदा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राजेन्द्र चौधरी पूर्व कैबिनेट मंत्री, वीरेन्द्र सिंह सांसद, आनंद भदौरिया सांसद, प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, रमाशंकर राजभर विद्यार्थी सांसद, अरविन्द कुमार सिंह पूर्व सांसद, जूही सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी महिला सभा, अनुराग भदौरिया प्रवक्ता, दुर्गा यादव विधायक, सुरेश यादव विधायक के अलावा सर्वश्री पूर्व मंत्री योगेश प्रताप सिंह, रणविजय सिंह पूर्व एमएलसी, अनिल सिंह बीरू, मनीष सिंह, राकेश सिंह पूर्व विधायक, अवलेश सिंह आदि मौजूद रहे।

सपा की सरकार बनाने में जुटा प्रबुद्ध समाज

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में 7 मई को प्रबुद्ध सम्मेलन का आयोजन नेता विरोधी दल विधानसभा उत्तर प्रदेश श्री माता प्रसाद पाण्डेय की अध्यक्षता में हुआ जिसमें जय परशुराम के उद्घोष के साथ उपस्थित प्रबुद्धजनों ने दोनों हाथ उठाकर 2027 के विधानसभा चुनाव में श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी सरकार बनाने का संकल्प लिया। प्रबुद्ध सम्मेलन के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव थे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व मंत्री श्री पवन पाण्डेय ने किया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि ब्राह्मण समाज में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। वह समाज को दिशा देता है। जीवन के विविध क्षेत्रों में उसका योगदान अविस्मरणीय है। समाजवादी पार्टी में ब्राह्मणों का बहुत सम्मान है और उनका मार्गदर्शन हमें मिलता रहा है। उनका सहयोग और समर्थन मिलने पर अब 2027 के विधानसभा चुनाव में विजय सुनिश्चित है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव श्री अंकित शर्मा एवं श्री पवन पाण्डेय ने श्री अखिलेश यादव को भगवान परशुराम जी की सुन्दर प्रतिमा भेंट की। चार फुट ऊंची प्रतिमा का वजन डेढ़ कुंतल है और वह शुद्ध पीतल की बनी है।

सर्वश्री पवन पाण्डेय, अंकित शर्मा, पूजा शुक्ला, रोहित शुक्ला लल्लू, मोनू दुबे, अमित चौबे तथा कार्तिक तिवारी ने मिलकर एक बड़ी फूलों की माला भेंट की। सुल्तानपुर के वरिष्ठ समाजवादी नेता श्री संतोष पाण्डेय ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव को कई धातुओं से बना शंख और कामाख्या देवी मंदिर का अंगवस्त्र भेंट किया।

कार्यक्रम में ब्राह्मण प्रतिनिधियों ने एकस्वर में समाजवादी पार्टी को जिताने और 2027 में श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया। सभी का कहना था कि भाजपा सरकार में ब्राह्मणों को बहुत अपमानित होना पड़ रहा है। उन पर अत्याचार हो रहे है। जनता का हर वर्ग त्रस्त और परेशान है। भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल है।

भाजपा सरकार में ब्राह्मणों पर हो रहे जुल्म की लम्बी दास्तान है। ब्राह्मणों के लिए उत्तर प्रदेश हत्या प्रदेश बन गया है। जनपद

बस्ती के दुबौलिया थानान्तर्गत उमयी गांव निवासी आदर्श उपाध्याय के माता पिता मंच पर आये। आदर्श उपाध्याय 17 वर्ष का युवा था पुलिस ने पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। एक व्यक्ति के शरीर को ड्रिल मशीन से छेद दिया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस हिरासत में हत्या के मामले में उत्तर प्रदेश अव्वल है। तमाम फर्जी केस लगाकर पुलिस उत्पीड़न करती है। वसूली करती है। ब्राह्मणों के उत्पीड़न सम्बंधी तमाम घटनाओं का भी जिक्र किया गया।

समाजवादी सरकार में ब्राह्मण परिवारों को लैपटॉप बांटा गया। 30 हजार रुपये का कन्याधन दिया गया। गरीब कन्याओं की शादी के लिए अनुदान दिया गया। संस्कृत शिक्षकों का वेतन बढ़ाया गया। वरिष्ठ नागरिकों को श्रवण यात्रा का लाभ दिया गया। भाजपा सरकार ने भगवान परशुराम जयंती पर समाजवादी सरकार के समय जारी सार्वजनिक अवकाश को रद्द कर दिया।

प्रबुद्ध सम्मेलन में प्रमुख रूप से सर्वश्री गणेश शंकर पाण्डेय पूर्व सभापति, माता प्रसाद पाण्डेय नेता विरोधी दल, कुशल तिवारी पूर्व सांसद, अभिषेक मिश्रा पूर्व विधायक संतोष पाण्डेय पूर्व विधायक, मुनीन्द्र शुक्ला पूर्व विधायक, विनय तिवारी पूर्व एमएलसी, पूजा शुक्ला पूर्व प्रत्याशी, बैजनाथ दुबे पूर्व विधायक, श्रीमती नंदिता शुक्ला पूर्व विधायक, ओम प्रकाश मिश्रा पूर्व प्रत्याशी, राम भजन चौबे पूर्व प्रत्याशी, रोहित शुक्ला पूर्व प्रत्याशी, मोनू दुबे पूर्व प्रत्याशी, अरविन्द शुक्ला पूर्व प्रत्याशी, मणेन्द्र मिश्रा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिक्षक सभा आदि नेता एवं कार्यकर्ता शामिल रहे।

राजनीति

ओडिशा की सियासत में अखिलेश की एंट्री

सपा मुखिया की कांग्रेस नेता से मुलाकात, मची हलचल

बुलेटिन ब्यूरो

देश के सियासी फलक पर अपनी अलग पहचान रखने वाले समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने पूर्वी भारत के प्रमुख राज्य ओडिशा की सियासत में भी एंट्री कर हलचल पैदा कर दी है। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर पहुंचकर राज्य के वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्री श्रीकांत जेना से श्री अखिलेश यादव की मुलाकात और बाद में उनके साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सामाजिक न्याय की ताकतों के साथ मिलकर राज्य में काम करने की श्री यादव की घोषणा ने सत्तारूढ़ भाजपा समेत सूबे के सभी सियासी दलों को बेचैन कर दिया है।

समाजवादी पार्टी का देश के विभिन्न राज्यों में विस्तार करने में जुटे श्री अखिलेश यादव के ओडिशा की ओर रुख करने के कई राजनीतिक निहितार्थ निकाले जा रहे हैं और माना जा रहा है कि ओडिशा में समाजवादी विचारधारा में विश्वास रखने वालों की एक बड़ी जमात है और अब उन्हें लग रहा है कि श्री अखिलेश यादव सामाजिक न्याय के राज की स्थापना करने में कामयाब हो जाएंगे इसलिए वे पूरी मजबूती के साथ श्री अखिलेश यादव के हाथ को मजबूत करने में जुटे हैं।

श्री अखिलेश यादव 16 अप्रैल को भुवनेश्वर पहुंचे। श्री अखिलेश यादव के दो दिन के ओडिशा के दौरे पर पहुंचते ही राज्य में राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई। यह हलचल तब और ज्यादा बढ़ी जब श्री यादव ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्रीकांत जेना के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ओडिशा में समाजवादी पार्टी के विस्तार के लिए अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट किया और सामाजिक न्याय और समावेशिता के आदर्शों पर आधारित एक व्यापक राजनीतिक विकल्प की आवश्यकता को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि ओडिशा हमारे लिए रणनीतिक और सामाजिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। यद्यपि समाजवादी पार्टी की यहां उपस्थिति सीमित रही है, लेकिन अब हम लोगों के साथ अपने जुड़ाव को गहरा

करने और जमीनी स्तर पर एक मजबूत संगठनात्मक आधार बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अपनी यात्रा को "विशेष" बताते हुए यादव ने कहा कि यह डॉ. बी.आर. अंबेडकर के आदर्शों से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि मैंने कई बार ओडिशा का दौरा किया है, लेकिन आज की यात्रा एक गहरा उद्देश्य लेकर आई है। मैंने हाल ही में दिल्ली में श्रीकांत जेना जी से मुलाकात की। बाबासाहेब अंबेडकर के समानता, सम्मान और समावेशिता के सपने को पूरा करने के लिए मैं अपने मित्र से मिलने आया हूं, जो एक अनुभवी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक नेता हैं।

श्री यादव ने समाजवादी पार्टी के ओडिशा विस्तार में जेना की अहम भूमिका होने की संभावना का भी संकेत दिया। हालांकि उन्होंने औपचारिक घोषणा करने से परहेज किया, लेकिन शहर में पहुंचते ही जेना के आवास पर जाने के उनके फैसले ने सपा की राज्य इकाई को चलाने में दिग्गज राजनेता की नेतृत्वकारी भूमिका के बारे में अटकलों को हवा दे दी है।

दरअसल अंबेडकरवादी मूल्यों की अडिग वकालत के लिए पहचाने जाने वाले जेना ओडिशा में समाजवादी पार्टी की क्षेत्रीय रणनीति को नया रूप देने में अहम कड़ी के तौर पर काम कर सकते हैं, जिसमें सामाजिक समानता, हाशिए पर पड़े समुदायों और समावेशी शासन के मुद्दों पर खास ध्यान दिए जाने की उम्मीद है। सामाजिक न्याय के प्रति सपा की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए यादव ने कहा, "हमारा प्रयास अपने संदेश को आम जनता तक पहुंचाना है। हमें विश्वास है कि ओडिशा में जो लोग हमारे विजन से सहमत हैं, वे इस यात्रा में हमारे साथ जुड़ेंगे।"

भाजपा के शासन के 'डबल इंजन' मॉडल पर कटाक्ष करते हुए यादव ने कहा, "तथाकथित 'डबल इंजन' ने सरकार और लोगों के बीच की खाई को और चौड़ा कर दिया है।" हम समाजवादी लोग बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के सपने को पूरा करने के लिए काम करेंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि वह कई बार ओडिशा आ चुके हैं लेकिन पिछले दिनों उनकी मुलाकात पूर्व केंद्रीय मंत्री, श्री श्रीकांत जेना जी से हुई। उनसे सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र, लोकतांत्रिक मूल्यों समेत तमाम मुद्दों पर बात हुई। जो सामाजिक न्याय की बात करे, वह समाजवादी है।

ओडिशा में हम सामाजिक न्याय की ताकतों के साथ मिलकर काम करेंगे। ओडिशा में शोषण हो रहा है। भाजपा सरकार भेदभाव कर रही है। इसके खिलाफ श्रीकांत जेना जी काम कर रहे हैं। हम उनके साथ हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी को ओडिशा में भी मजबूत करने का प्रयास तेज किया जाएगा और लोगों को जोड़ा जाएगा। समाजवादी विचारधारा को लोगों तक पहुंचाएंगे।

एक सवाल के जवाब में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि ईडी जैसे विभाग को समाप्त कर देना चाहिए। आर्थिक अपराध के मामलों को देखने के लिए इनकम टैक्स समेत कई संस्थाएं हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने ईडी बनाई थी। आज ईडी की वजह से कांग्रेस को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि संविधान के अनुसार शिक्षा और नौकरी के क्षेत्र में जो आरक्षण दिया गया है उसे लागू करना चाहिए। हम वक्फ कानून का विरोध करते रहेंगे। वक्फ बिल मामले पर हमारी नीति साफ है। हमने इसका विरोध किया, विरोध में वोट भी दिया। बाद में श्री अखिलेश यादव एवं श्रीमती डिंपल यादव ने पुरी के जगन्नाथ मंदिर धाम में दर्शन-पूजन किया। उन्होंने धौलीगिरि शांति स्तूप के भी दर्शन किए।

जयंती पर याद किए गए अज़ीज़ कुरैशी

बुलेटिन ब्यूरो

पूर्व राज्यपाल जनाब अज़ीज़ कुरैशी की जयंती 24 अप्रैल को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर सादगी से मनाई गई। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कुरैशी साहब के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि श्री अज़ीज़ कुरैशी साहब ने कभी भी राजनीतिक विचारधारा को आपसी रिश्ते के बीच में नहीं आने दिया। उनके अंदर यह भावना थी कि सेक्युलर फोर्सेज और समाजवादी विचारधारा को जोड़कर रखें। अगर कुरैशी साहब उत्तर प्रदेश के गवर्नर बनकर न आए होते तो रामपुर में मौलाना जौहर साहब के नाम से यूनिवर्सिटी बनाने का मौका नहीं मिलता। श्री यादव ने कहा कि देश खुशहाल तभी बनेगा, जब सभी सेक्युलर रास्ते और गंगा जमुनी तहजीब पर चलेंगे।

इस अवसर पर प्रख्यात कवि और पूर्व सांसद श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि हिंदी और उर्दू में कोई फर्क नहीं है। यह मुल्क गंगा-जमुनी तहजीब से बना है और उसी पर बना रहेगा।

इमाम ईदगाह ऐशबाग लखनऊ, मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने कहा कि अज़ीज़ कुरैशी साहब भी नेताजी की तरह एक टीचर थे। कुरैशी साहब डॉ. लोहिया जी और डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के मूवमेंट को फॉलो करते थे।

इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री किरणमय नंदा, श्रीमती सैयदा हमीद पूर्व सदस्य योजना आयोग, श्रीमती दीपा कौल पूर्व कैबिनेट मंत्री, श्री एसटी हसन पूर्व सांसद समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

समाजवादी विचारधारा के प्रति समर्पित थे बृजभूषण

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी चिंतक व समाजवादी पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूर्व सांसद बृजभूषण तिवारी की 13वीं पुण्यतिथि 25 अप्रैल को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ पर मनाई गई। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, पूर्व सांसद अरविन्द सिंह ने स्व बृजभूषण तिवारी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

पुण्यतिथि पर सिद्धार्थनगर जनपद में आयोजित कार्यक्रम में नेता विरोधी दल माता प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि श्रद्धेय बृजभूषण तिवारी समाजवादी विचारधारा के प्रति पूरी तरह समर्पित थे। उनके विचारों और सिद्धांतों पर चलना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

सिद्धार्थनगर जनपद में भी श्रद्धेय बृजभूषण तिवारी जी की 13वीं पुण्यतिथि जिलाध्यक्ष श्री लालजी यादव की अध्यक्षता में मनाई गई। यहां कार्यक्रम में स्व बृजभूषण तिवारी के पुत्र पूर्व सांसद आलोक तिवारी, पूर्व सांसद कुशल तिवारी, पूर्व विधायक अनिल सिंह, पूर्व विधायक विजय पासवान समेत अन्य नेताओं और कार्यकर्ताओं ने स्व बृजभूषण तिवारी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया।

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

पराक्रमो विजयते! !!!!

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

शांति सर्वोपरि है और सम्प्रभुता भी!

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

सरकार से आग्रह है कि इस संवेदनशील समय में विविध संचार माध्यमों से लगातार जन संवाद करके सभी आशंकाओं का निर्मूलन करे। सरकार समस्त उपभोक्ता वस्तुओं की आपूर्ति तत्काल सुनिश्चित करे, जिससे जमाख़ोरी न हो और मुनाफ़ाखोर जनता में व्याप्त घबराहट का फ़ायदा न उठा सकें।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

हम अपने सभी समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रेम, स्नेह, समर्पण के लिए उनकी भावनाओं का हृदय से आभार प्रकट करते हैं, साथ ही ये अति संवेदनशील अपील भी करते हैं कि भावना में बहकर कभी भी किसी पार्टी नेता की तुलना या समकक्षता किसी भी दिव्य और पूजनीय महापुरुष या महाव्यक्तित्व से किसी भी संदर्भ में नहीं करें और न ही इस तुलना को दर्शानेवाली कोई भी तस्वीर, प्रतिमा, गीत बनाएं या बयान दें। दिव्य व्यक्तित्व व महापुरुष किसी भी तुलना से बहुत ऊपर होते हैं।

Translate post

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

हुज़ूर-ए-आला अकेले खड़े रह गये इसी गम में
महफ़िल लूट ले गया कोई जबकि सजाई हमने

Translate post

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

वर्तमान के अति संवेदनशील माहौल में 'प्रतिरक्षा-सुरक्षा' और भी अधिक गंभीर विषय बन गया है। राजनीतिज्ञों से आग्रह है कि कृपया इसे फोटो बैकग्राउंड अथवा सेल्फी पाइंट न बनाएं। ये आत्म-प्रदर्शन के लिए अकेले खड़े होकर तस्वीरें खिंचवाने की बजाय सैन्य बलों के साथ खड़े होने का समय है।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

जैसे-जैसे पीडीए वाले बहुरंगी होंगे
तैसे-तैसे सब एकरंगी बदरंगी होंगे

Translate post

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

चंदौली हत्याकांड में अपराधी की गिरफ़्तारी के लिए सारे सबूत मौजूद हैं, सिवाय उप्र के शासन-प्रशासन की इच्छाशक्ति के।

#उप्र_महाअन्यायराज

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

जो पीड़ित, वो पीडीए!

पीड़ा ही तो वो एक धागा
जिसने सबको संग बाँधा!

Translate post

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

'छात्र' कमाल दिखाएंगे
पीडीए सरकार बनाएंगे!

आज लखनऊ में सपा की ऊर्जावान 'छात्र सभा' के बीच।

Translate post

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

'बयान' नहीं दवा दीजिए
सत्कर्म कर दुआ लीजिए

Translate post

ये कैसा जिला अस्पताल, जहां पूरी दवाइयां भी नहीं मिल रहीं

जिला अस्पताल में काफी दिनों से खांसी का सिरप व अन्य कई दवाइयां नहीं

अमर उजाला अभियान

संवाद न्यूज एजेंसी

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

वो 'हुकूमत' नाकाम है, जो खुला छोड़ दे गुनाहगारों को
सब समझ रहे हैं 'वर्दी के पिंजरों' में क़ैद के इशारों को

Translate post

Posts Replies Highlights Media

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 3d

उजाड़ने वाले जब बसाने की बात करते हैं
दुनियावाले सब समझकर उन पर हँसते हैं

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

मेरठ में भाजपा सरकार की पुलिस दलित महिलाओं पर इसलिए हिंसक प्रहार कर सकी क्योंकि उन्हें लगा कि सत्ता में बैठे उनके वो भाजपाई आका उन्हें बचा लेंगे, जो लाख दिखावटी नाटक करने के बावजूद भी अंदर से दरअसल दलितों और महिलाओं के ख़िलाफ़ हैं। अब जबकि ये अत्याचार कैमरे में क़ैद हो चुका है तो देखते हैं कि उप्र की प्रभुत्ववादी सरकार इन पुलिसवालों को बर्खास्त होने से बचाने के लिए क्या चाल चलती है।

घोर निंदनीय!

पीड़ित कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

PDA 90% जनता की एकता का नाम है
PDA संविधान और आरक्षण की ढाल है!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

लांघी सीमाएं अपमान की
घड़ी आयी इस ऐलान की
बांध लो पगड़ी सम्मान की
'किसान' के हक़-मान की
न चिंता खेत-खलिहान की
न भूख-प्यास बलिदान की
अब बात आ गयी आन की
बांध लो पगड़ी सम्मान की

Translate post

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 6d

सपा के समय लखनऊ में बने वर्ल्ड क्लास पुलिस मुख्यालय की महान क्रिकेटर कपिल देव जी जैसे अच्छे और सच्चे लोगों से मिली सराहना हमारा उत्साह बढ़ाती है।

बड़ी सोच से प्राप्त हुई उपलब्धि का मोल और मान वही समझ सकता है, जिसने स्वयं बड़ी उपलब्धि पायी हो ।

सपा का काम, दुनिया में मान!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

जो हैं महाराणा के सच्चे वंशज
वो ही सबकी रक्षा करते हरदम

Translate post

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

डॉ. उदय प्रताप जी का सम्मान 'सच्चे साहित्य' का सम्मान है। 'सच्चा साहित्य' संवेदना, सकारात्मकता और सौहार्द को जन्म देता है और सह-अस्तित्व के 'सार्वभौमिक स्वीकार्यता' के सिद्धांत को विचार-पोषित करता है और व्यवहार में लाने के लिए मूक प्रेरणा भी बनता है।

सार्थक लेखन के लिए बधाई और सदैव स्वस्थ एवं सक्रिय रहने के लिए शुभकामनाएँ!

Translate post

डा. उदय प्रताप को हरकारे सम्मान

समारोह

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

उप्र की 12वीं की बोर्ड परीक्षा में टॉप करनेवाली महक जायसवाल का झोपड़ी से सर्वोच्च स्थान तक पहुँचने का संघर्ष अति सराहनीय है। बधाई, शुभकामनाएँ और हमारी तरफ़ से उनकी प्रतिभा के सम्मान के लिए लैपटॉप की भेंट।

Translate post

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2024-2026 कुल पृष्ठ : 48 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17

PDA संकल्प

हम संकल्प लेते हैं कि :

- 'सामाजिक न्याय के राज' की स्थापना के लिए;
- संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए;
- जातीय जनगणना करवाकर जनसंख्या के अनुपात में सबको उनका हक़ दिलवाने के लिए;
- हर एक पीड़ित, उत्पीड़ित, शोषित, वंचित, दमित, ग़रीब, किसान, मज़दूर, पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, असुरक्षित महिला व उपेक्षित युवा के रूप में, पीड़ा के एकसूत्र में बंधे हुए संपूर्ण पीडीए समाज को समान अवसर और सम्मान दिलवाने के लिए;
- पीडीए समाज के बीच 'संपर्क, संवाद, सहायता' के ज़रिये और अधिक सौहार्दपूर्ण संबंध विकसित करके, 'स्वाभिमान और स्वमान' की नयी सामाजिक चेतना लाने के लिए;
- 'सामाजिक न्याय के राज' के संदेश दूत बनकर अपने-अपने गाँव-गली, मोहल्लों के हर घर तक जाएंगे और लोगों को जोड़कर समझाएंगे, हम सब मिलकर 'सामाजिक न्याय का राज' लाएंगे, अपना भविष्य ख़ुद बनाएंगे।

जन-जन का कल्याण, जय-जय संविधान!

समाजवादी पार्टी
/samajwadiparty
www.samajwadiparty.in

QR कोड स्कैन करें और वाट्स-एप चैनल से जुड़ें
/Akhilesh Yadav
/Samajwadi Party